ELITE IAS

समसामयिकी मई–2019

8899999931/34

A-1 Chandra House, Top Floor, (Opp. ICICI Bank), Mukherjee Nagar, Delhi-09

ELITE IAS

Our Courses

For Civil Services Preparation

CLASSROOM PROGRAM

English / Hindi

Upgraded Foundation Course
General Studies

ONLINE COURSES

General Studies Video Classes
(Interactive)

ALL INDIA TEST SERIES

English / Hindi

General Studies
Prelims + Mains + Essay

CORRESPONDENCE COURSES

General Studies Pre. & Mains
(Interactive)

Index

आलेख

1.	चीन की चुनौती का जवाब देता भारत	1-3

कला, संस्कृति, समाज एवं सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दे

2.	जलियांवाला बाग नरसंहार के 100 साल	4-4
3.	सनौली में 4,000 वर्ष पुरानी कब्रगाह के अवशेष मिले	5-5
4.	भारत की जनसंख्या 2010-19 के बीच हर साल 1.2 फीसदी बढ़ी	6-6
5.	नमामि गंगे को लंदन में ग्लोबल वाटर समिट में सम्मानित किया गया	7-7
6.	कंगला टोंगबी की ऐतिहासिक लड़ाई का प्लेटिनम जुबली समारोह मनाया गया	8-9

राजव्यवस्था एवं शासन, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक विकास

7.	मानसिक रोगी को फांसी नहीं दी जा सकती: सुप्रीम कोर्ट	10-10
8.	चुनाव आयोग ने पीएम मोदी पर बनी बायोपिक की रिलीज पर रोक लगाई	11-11
9.	जैव विविधता संबंधी समितियां गठित करने हेतु निर्देश जारी	12-12
10.	दहेज उत्पीड़न से परेशान महिलाएं कहीं भी दर्ज करा सकती हैं एफआईआर: सुप्रीम कोर्ट	13-13
11.	सुप्रीम कोर्ट ने पेंशन से संबंधित केरल हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा	14-14

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, भारत और विश्व एवं वैश्विक परिदृश्य

12.	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस-2019	15-15
13.	सीपरी रिपोर्ट 2019	16-16
14.	इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से परिवर्तित करने की योजना	17-17
15.	चीन और पाकिस्तान ने अंतरिक्ष खोज समझौते पर हस्ताक्षर किए	18-18
16.	नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और डेनमार्क के बीच सहयोग समझौते को मंजूरी	18-19
17.	विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019	20-21
18.	अमेरिका ने भारत को प्राथमिक निगरानी सूची में रखा	21-22

19.	चीन से दूध उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध की समय सीमा बढ़ी	22-23
20.	सूडान में 30 साल के शासन का अंत, आपातकाल लागू	23-24
21.	अमेरिका ने ईरानी सेना 'रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स' को आतंकी संगठन घोषित किया	24-25

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास

22.	केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दो किस्तों में जारी किए	26-26
23.	वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट-2019	27-27
24.	लक्ष्मी विलास बैंक एवं इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस के विलय को मंजूरी	28-28
25.	ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वित्त आयोग को बढ़ावा देने की सिफारिशें की	29-29

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रतिरक्षा एवं स्वास्थ्य

26.	आईएनएस इम्फाल युद्धपोत लॉन्च	30-30
27.	जीएसएलवी के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी	31-31
28.	मिसाइल विध्वंसक आईएनएस रंजीत होगा सेवामुक्त	32-32
29.	वैज्ञानिकों ने पहली बार ली ब्लैक होल की तस्वीर	33-33
30.	दुनिया के सबसे बड़े विमान ने पहली बार उड़ान भरी	33-34
31.	भारत ने 2030 तक मलेरिया को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य रखा	34-35
32.	स्कॉर्पीन क्लास की चौथी पनडुब्बी आइएनएस वेला लॉन्च	35-37
33.	वरुण-19 नौसेनिक युद्धाभ्यास	37-37
34.	भारतीय नौसेना-वियतनाम पीपुल्स नौसेना द्विपक्षीय अभ्यास का दूसरा संस्करण संपन्न	38-38
35.	नासा ने पहली बार मंगल पर भूकंपीय संकेतों का पता लगाया	39-39
36.	भारत और सिंगापुर के बीच 'बोल्ड कुरुक्षेत्र' युद्ध अभ्यास का समापन	40-40
37.	मलेरिया का पहला टीका लॉन्च	41-41
38.	नासा ने सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसा पहला ग्रह खोजा	41-42
39.	सब-सोनिक क्रूज मिसाइल 'निर्भय' का सफल परीक्षण	42-42
40.	सीएसआईआर द्वारा जीनोम का अनुक्रमण करने की योजना	43-43

41. ओडिशा के कंधमाल हल्दी को जीआई टैग प्रदान किया गया 44-44

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

42. उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'फानी' 45-45

43. महाराष्ट्र में इंटरेक्टिव बर्ड पार्क लॉन्च किया गया 46-46

44. ब्रिटेन जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला पहला देश बना 47-48

45. माउंट एवरेस्ट से 3,000 किलोग्राम कचरा हटाया गया 48-48

46. वायु प्रदूषण से जीवन प्रत्याशा 20 महीने कम हुई: ग्लोबल रिपोर्ट 49-49

47. धरती की सतह का तापमान तेजी से बढ़ रहा है: नासा 50-50

48. पृथ्वी दिवस: 22 अप्रैल 51-51

49. केरल में मकड़ी की नई प्रजाति खोजी गई 52-52

अन्य खबरें

50. कुमार संगकारा मेरीलिबोन क्रिकेट क्लब के पहले नॉन-ब्रिटिश अध्यक्ष बने 53-53

51. थाईलैंड के नए सम्राट बने महा वजिरालॉन्गाकोन 53-53

52. राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड हेतु बजरंग पुनिया के नाम की सिफारिश 53-53

53. इंडोनेशिया ने रामायण पर विशेष डाक टिकट जारी किया 53-53

54. जयदीप सरकार दक्षिण अफ्रीका में भारत के नये उच्चायुक्त नियुक्त 54-54

55. भारतीय महिला वैज्ञानिक गगनदीप रॉयल सोसायटी में शामिल 54-54

56. टाइम मैगजीन ने 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की 54-54

57. ICC वर्ल्ड कप 2019: बीसीसीआई ने भारतीय टीम की घोषणा की 55-55

58. दुनिया के सबसे बड़े विमान ने पहली बार उड़ान भरी 55-55

59. प्रधानमंत्री मोदी को मिला रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 55-55

60. फीफा परिषद के सदस्य चुने जाने वाले पहले भारतीय बने प्रफुल्ल पटेल 56-56

61. विश्व बैंक के अध्यक्ष बने डेविड माल्पास 56-56

62. आईसीसी ने 80 देशों की टीमों की ट्वेंटी-20 रैंकिंग जारी की 56-56

63. इसरो के पूर्व अध्यक्ष किरण कुमार को मिला फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 56-56

64. बजरंग पूनिया ने अली अलीयेव कुश्ती में जीता स्वर्ण पदक 57-57

65.	एयर मार्शल राकेश सिंह भदौरिया ने वायु सेना उप-प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया	57-57
66.	अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस	57-58
67.	विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को विश्वभर में मनाया गया	58-58
68.	पूर्व सेना प्रमुख दलबीर सिंह सुहाग सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त	58-58
69.	सलीम खान दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित	58-58
69.	संतोष ट्रॉफी-2019: सर्विसेस ने छठी बार जीता राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब	58-58
70.	पुलित्जर पुरस्कार 2019: न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल को मिला पुरस्कार	59-59
71.	ESPN India Sports Awards-2018: पीवी सिंधु और नीरज चोपड़ा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गय	59-59
72.	विश्व स्वास्थ्य दिवस: 7 अप्रैल	59-59
73.	जुजाना कैपुतोवा स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं	60-60

❑❑❑❑

ELITE IAS

आलेख

चीन की चुनौती का जवाब देता भारत

भारत ने जब भी चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोट इनिशिएटिव यानी बीआरआइ पर कोई रुख अख्तियार किया है तो ऐसा करके उसने उसे और साथ ही दुनिया को कई संदेश देने का काम किया है। चीन एक बार फिर बीआरआइ से जुड़ा आधिकारिक आयोजन करने जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए उसने भारत को भी निमंत्रण दिया था। पहले की तरह इस बार भी भारत ने इस न्यौते को ठुकरा दिया। इससे पहले भी भारत ने चीन के इस आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था। नई दिल्ली ने मई 2017 में प्रथम बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) सम्मेलन का भी बहिष्कार किया था। जिसमें 129 देशों और कई राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था। भले ही अमेरिका, रूस, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों ने उसमें भाग लिया हो, लेकिन भारत इसे लेकर अपने रुख पर मजबूती से टिका हुआ है। वह इस चीनी पहल पर अपनी आपत्तियों को जाहिर करता रहा है। बीआरआइ के माध्यम से खुद को वैश्विक शक्ति के तौर पर पेश करने की चीनी आकांक्षाओं के लिए भारत का यह रुख एक बड़ा झटका था। भारत के इन्कार के बाद से चीन को ऐसे कई झटका लगे हैं जिन्होंने उसके लिए समस्याएं कई गुना बढ़ा दी हैं। चूंकि भारत ने एक बार फिर अपना विरोध जताया है तो बीजिंग भी इस पर अपने पत्ते फेंटेगा। इसके संकेत भी मिल गए हैं। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने इसका उल्लेख कुछ इस तरह किया है, 'अगर भारत बीआरआइ के तहत् सहयोग से मुंह फेरता है या फिर कुछ परियोजनाओं में हस्तक्षेप करता है तो वह कई बड़ी विकास परियोजनाओं से जुड़ने का अवसर खो बैठेगा। साथ ही कई दक्षिण एशियाई देशों के साथ बेहतर जुड़ाव की उसकी योजनाओं को भी नुकसान होगा।'

नई दिल्ली का हालिया निर्णय चीन के उस रुख के बार सामने आया है जिसमें चीन मसूद अजहर को अंतराष्ट्रीय आंतकी घोषित कराने की भारत की कोशिशों को लगातार झटका देता आया है। हाल के पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी चीन का रुख इस मसले पर बदला नहीं। अगर वुहान वार्ता को छोड़ दिया जाए तो भारत चीन रिश्तों के मोर्चे पर कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया है। कुछ हालिया रपटों में यह सामने आया है कि डोकलाम पठार पर चीन अपनी स्थिति लगातार मजबूत बना रहा है, यह सीमा पर चुनौती को दर्शाता है। जो भी हो, भारत की संप्रभुता का मूल प्रश्न बीरआइ को लगातार परेशान करता रहेगा। जैसा की चीन में भारत के राजदूत विक्रम मिस्त्री ने दोहराया, 'कोई भी देश ऐसी परियोजना से नहीं जुड़ सकता जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर उसकी मुख्य चिंताओं की अनदेखी करती हो।'

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

हालांकि बीआरआइ को लेकर बाकी दुनिया को लुभाने की चीनी मुहिम लगातार जारी है, लेकिन भारत अपने रवैये पर कायम है और उसे कायम रहना भी चाहिए। बीआरआइ से जुड़े कार्यक्रम में करीब सौ से अधिक देश हिस्सा लेंगे। इसे आयोजन में लगभग 40 देशों के राष्ट्रप्रमुखों के भी शामिल होने की उम्मीद है। पश्चिमी देशों में बीआरआइ को लेकर कुछ संशय और संदेह के बावजूद अभी हाल में इटली इस परियोजना के साथ जुड़ी है। चीन ने दुनिया को यह समझाने में कामयाबी हासिल की है कि आर्थिक भूमंडलीकरण के अगले चरण के लिए बुनियादी ढांचा विकास और कनेक्टिविटी की तत्काल सख्त जरूरत है। अन्य प्रमुख शक्तियों को भी इस बात के लिए बाध्य किया गया है कि अपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी योजनाओं के लिए वे चीन की शरण में आएं। दुनिया भर में इसे मोर्चे पर बहुत बड़ी मांग पैदा हो गई है और चीन इस मांग को पूरा करने की कोशिश में समर्थ दिखने वाले प्रमुख देश के रूप में उभरा है। बहरहाल इस राह में आने वाली बाधाओं से पार पाने में बीजिंग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। उसमें उसका रवैया और छवि भी आड़े आ रही है। भारत अपनी संप्रभुता के आधार पर चीन की बीआरआइ परियोजना का विरोध तो कर ही रहा है, इसके साथ ही वह परियोजना को लेकर वित्तीय और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे भी उठा रहा है। ये मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। कई ऐसे देश जो शुरुआत में बड़े उत्साह के साथ बीआरआइ परियोजना के साथ जुड़े उनमें से कुछ का रुख–रवैया अब बदला हुआ है और वे भारत के सुर में सुर मिला रहा हैं।

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों ने हाल में चीन की इस महत्वकांक्षी परियोजना को लेकर कर्ज के जाल में फंसने की आशंका जताई। मालदीव और श्रीलंका से लेकर मलेशिया और थाईलैंड तक तमाम देशों में चीन की कई परियोजनाओं के भविष्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन की आर्थिक उद्दंडता पर पश्चिमी जगत भी सख्ती कर ही रहा है। जर्मन उद्योग परिसंघ ने हाल में यूरोपीय संघ से कहा है कि चीन के साथ वह सख्त शर्तों पर समझौता करे जो बाजार में उत्पाद डंप करके, आक्रामक तकनीक और वित्तीय बैंकिंग में असमानता जैसे संदिग्ध तौर–तरीकों का इस्तेमाल कर रहा हे। बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को लेकर भारत ने कई तरह से वैश्विक विमर्श को दिशा दी है। इसमें चीनी बीआरआई के शोषणकारी स्वरूप को भी उकेरा है। अपनी संप्रभुता के मुद्दे पर बीआरआइ के विरोध से परे सकारात्मक विमर्श पेश करने में सफल रहा है। इस कवायद में भारत को खुद अपनी क्षमताओं से साक्षात्कार करना पड़ा है कि वह स्वंय कैसे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी जैसे मोर्चे पर योगदान दे सकता है। अन्य देशों के साथ साझेदारी को लेकर मौलिक चिंतन के साथ ही उसे स्वंय अपना प्रदर्शन सुधारने

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

पर मजबूर होना पड़ा है। बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को लेकर भारतीय दृष्टिकोण में नए किस्म की वह गंभीरता देखने को मिली जिसका पहला अभाव नजर आता था। बीआरआइ के विरोध के साथ ही भारत ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त परियोजनाओं से भी समान दूरी बनाकर इस मोर्चे पर संतुलन बिठाया है इसके बजाय भारत द्विपक्षीय साझेदारियों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके लिए दक्षिण एशिया में वह जापान के साथ काम कर रहा है। भारत एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं वाले मॉडल को तरजीह दे रहा है।

बीआरआइ को लेकर शुरुआती विरोध के बावजूद भारत इससे जुड़े मुद्दों पर वैश्विक विमर्श को दिशा दे रहा है। भविष्य में यह भारतीय नीति निर्माताओं पर निर्भर करेगा कि वे चीनी परियोजनाओं पर उठते संदेह के बादलों के चलते बनने वाले अवसरों को किस तरह भुनाते हैं ताकि भारत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध कराने वाले बड़े खिलाड़ी के रूप में उभर सके।

❑❑❑❑

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

कला, संस्कृति, समाज , तथा सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दे

जलियांवाला बाग नरसंहार के 100 साल

चर्चा में क्यों?

☞ अमृतसर के जलियांवाला बाग के नरसंहार कांड के 100 साल 13 अप्रैल, 2019 को पूरे हो गए।

मुख्य तथ्य

✶ जलियांवाला बाग नहरसंहार के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी् श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। देश की आजादी के इतिहास में 13 अप्रैल का दिन एक दुखद घटना के साथ दर्ज है।

✶ ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार पर खेद जताया है।

✶ जलियांवाला बाग हत्या कांड न केवल भारतीय इतिहास का त्रासदीपूर्ण अध्याय है, बल्कि ब्रिटिश इतिहास में भी वह एक ऐसा धब्बा है, जो उसे हमेशा शर्मशार करता रहेगा।

जलियांवाला बाग नरसंहार

✶ जलियांवाला बाग हत्याकांड भारत के पंजाब प्रान्त के अमृतसर में स्वर्ण मन्दिर के निकट जलियांवाला बाग में 13 अप्रैल 1919 (बैसाखी के दिन) हुआ था।

✶ रौलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एक सभा हो रही थी। ये सभा पंजाब के दो लोकप्रिय नेताओं की गिरफ्तारी और रोलेट एक्ट के विरोध में रखी गई थी।

✶ जनरल डायर नामक एक अँग्रेज ऑफिसर ने अकारण उस सभा में उपस्थित भीड़ पर गोलियाँ चलवा दीं।

✶ अंग्रेजों के आंकड़े बताते हैं कि जलियांवाला बाग कांड में 379 लोग मारे गए थे। हालांकि, भारतीय राष्ट्र कांग्रेस के अनुसार, उस दिन एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे और करीब दो हजार गोलियों से जख्मी हुए थे।

✶ इस घटना के प्रतिघात स्वरूप सरदार उधमसिंह ने 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में ब्रिटिश लेफ्टिनेण्ट गवर्नर मायकल ओ ड्वायर को मार डाला। उन्हें 31 जुलाई 1940 को फांसी पर चढ़ा दिया गया था।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सनौली में 4,000 वर्ष पुरानी कब्रगाह के अवशेष मिले

चर्चा में क्यों?

☞ भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) द्वारा हाल ही में उत्तर प्रदेश स्थित सनौली में पुरातात्त्विक उत्खनन के दौरान 4,000 वर्ष पुरानी कब्रगाह और अन्य अवशेष खोजे हैं।

मुख्य तथ्य

★ विशेषज्ञों द्वारा इस उत्खनन के दौरान चार हजार वर्ष पुराने चावल, कोठरियां तथा बर्तन भी खोज निकाले गये हैं।

★ इस स्थान पर पुरातत्व विभाग को मृत शरीर के साथ ताबूत, चावल एवं दाल से भरे बर्तन और जानवरों की हड्डियाँ भी मिली हैं।

★ गौरतलब है कि सनौली में पुरातात्त्विक स्थल का उत्खनन पहली बार 2018 में शुरू हुआ था जिसे जनवरी 2019 में फिर से आरंभ किया गया है।

★ यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश के बागपत में स्थित है। इस क्षेत्र में हड़प्पाकाल का सबसे बड़ा रथ पाया गया है।

★ वर्ष 2018 की खुदाई में यहां तीन रथ प्राप्त हुए थे। इसके अतिरिक्त यहां पुरातात्विक महत्व की तलवारें, हथियार, भोज्य पदार्थ आदि मिले हैं।

★ खोजी गई इन कब्रों में से एक कब्र में दफनाये गये व्यक्ति के सिर के पास अर्द्ध-शिला, मिट्टी के बर्तन और तलवार भी रखी गई थी।

इसका महत्व क्या है?

★ पुरातत्व विभाग को यहाँ तीन रथ, ताबूत, ढाल, तलवार और हेलमेट जैसे कृति भी मिले हैं जो उस समय के योद्धा वर्ग के अस्तित्व के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

★ यह कब्रगाह परिपक्व हड़प्पा संस्कृति के अंतिम चरण के समकालीन है. उस कालखंड के दौरान ऊपरी गंगा-यमुना दोआब की संस्कृति के पैटर्न को समझने के लिये इस उत्खनन से ज्ञात निष्कर्ष महत्त्वपूर्ण हैं.

★ इसके अतिरिक्त खोजकर्ताओं को शवों के अवशेष के साथ मवेशियों की हड्डियाँ, चावल और उड़द की दाल भी मिली है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

भारत की जनसंख्या 2010-19 के बीच हर साल 1.2 फीसदी बढ़ी

चर्चा में क्यों?

☞ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) जनसंख्या कोष की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 से साल 2019 के बीच भारत की जनसंख्या 1.2 की औसत वार्षिक दर से बढ़कर 1.36 अरब हो गई है, जो चीन की वार्षिक वृद्धि दर के मुकाबले दोगुनी से ज्यादा है।

यूएन की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की अपेक्षा भारत की जनसंख्या दोगुनी तेजी से बढ़ रही है। भारत कुछ ही साल में चीन को पीछे छोड़ दुनिया का सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश बन जाएगा।

मुख्य तथ्य:

✶ भारत की जनसंख्या साल 2019 में 1.36 अरब पहुंच गयी है। भारत की जनसंख्या साल 1994 में 94.22 करोड़ और साल 1969 में 54.15 करोड़ थी।

✶ विश्व की जनसंख्या 2019 में बढ़कर 771.5 करोड़ हो गई है, जो पिछले साल 763.3 करोड़ थी।

✶ यूएन की सेक्सुअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ एजेंसी ने स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन 2019, रिपोर्ट में कहा कि साल 2010 और साल 2019 के बीच भारत की जनसंख्या औसतन 1.2 प्रतिशत बढ़ी है।

✶ इसकी तुलना में, साल 2019 में चीन की आबादी 1.42 अरब पहुंच गई है। चीन की जनसंख्या साल 1994 में 1.23 अरब और साल 1969 में 80.36 करोड़ थी।

✶ रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 और साल 2019 के बीच चीन की आबादी 0.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ी है।

✶ उसके अनुसार, भारत में साल 1969 में प्रति महिला प्रजनन दर 5.6 थी, जो साल 1994 में 3.7 रह गई।

✶ भारत ने जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में सुधार दर्ज किया है। भारत में साल 1969 में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 47 वर्ष थी, जो साल 1994 में 60 वर्ष और साल 2019 में 69 वर्ष हो गई है। विश्व की औसत जीवन प्रत्याशा दर 72 साल है।

✶ रिपोर्ट में साल 2019 में भारत की जनसंख्या के विवरण का एक ग्राफ दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि देश की 27-27 प्रतिशत आबादी 0 वर्ष से 14 वर्ष और 10 वर्ष से 24 वर्ष की आयु वर्ग में है, जबकि देश की 67 प्रतिशत जनसंख्या 15 वर्ष से 64 आयु वर्ग की है। देश की छह प्रतिशत आबादी 65 वर्ष और उससे अधिक आयु की है। रिपोर्ट में भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार के संकेत देते हुये कहा गया है कि देश में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 1994 में प्रति 1,00,000 जन्मों में 488 मौतों से घटकर साल 2015 में प्रति 1,00,000 जन्मों में 174 मृत्यु तक आ गई।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

नमामि गंगे को लंदन में ग्लोबल वाटर समिट में सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों?

☞ लंदन में ग्लोबल वाटर समिट में 09 अप्रैल 2019 को ग्लोबल वाटर इंटेलिजेंस ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को 'पब्लिक वाटर एजेंसी ऑफ द ईयर-डिस्टिंक्शन' से सम्मानित किया है।

मुख्य तथ्य:

★ ग्लोबल वाटर समिट के दौरान प्रसिद्ध ग्लोबल वाटर अवाड्र्स दिया जाता है। यह कार्यक्रम जल के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े बिजनेस कॉन्फ्रेंस में से एक है।

★ ग्लोबल वाटर अवाड्र्स पूरे अंतर्राष्ट्रीय जल उद्योग में उत्कृष्टता को पहचान देता हैं।

★ पानी, अपशिष्ट जल प्रबंधन(वेस्ट वाटर मैनेजमेंट) और डीसेलिनेशन क्षेत्रों में उन पहलों को पुरस्कृत करते हैं, जो लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार लाते हैं।

नमामि गंगे मिशन का उद्देश्य:

★ नमामि गंगे मिशन का मुख्य उद्देश्य गंगा की मुख्य धारा पर बसे 97 शहरों और 4465 गांवों के मुख्य प्रदूषण वाली जगहों का व्यापक और स्थायी समाधान प्रदान करना है।

★ यह मिशन न सिर्फ नई आधारिक संरचना (इंफ्रास्ट्रक्टर) का निर्माण कर रहा है, बल्कि पुरानी और खराब हो चुके सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट(एसटीपी) का रख-रखाव, संचालन को सुनिश्चित करता है।

★ इस परियोजना का उद्देश्य गंगा नदी में पर्यावरण विनियमन और जल गुणवत्ता की निगरानी रखना है।

★ नमामि गंगे के तहत 28,377 करोड़ रुपए की कुल लागत से 289 प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 87 प्रोजेक्ट पूरे हो गए हैं।

★ 23,158.93 करोड़ रुपए की लागत से 151 सीवरेज प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं, जिनमें गंगा के मुख्य धारा पर 112 और सहायक नदियों पर 39 प्रोजेक्ट है।

★ अब तक, प्रदूषण रोकथाम की 37 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जिसके परिणामस्वरूप 2565 किलोमीटर सीवर नेटवर्क और गंगा बेसिन में 575 एमएलडी क्षमता की एसटीपी का निर्माण पूरा हो चुका है।

★ 63 परियोजनाओं का कार्य चल रहा है और 51 टेंडर के विभिन्न चरणों में हैं। साल 2019 तक 35 परियोजनाओं के पूरा होने की उम्मीद है और 2020 तक 65 के पूरा होने की।

स्रोत: डेक्कन क्रॉनिकल

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

कंगला टोंगबी की ऐतिहासिक लड़ाई का प्लेटिनम जुबली समारोह मनाया गया

चर्चा में क्यों?

☞ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मणिपुर स्थित कंगला टोंगबी में हुए भीषण युद्ध की याद में तथा सैनिकों के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को कंगला टोंगबी यादगार समारोह मनाया जाता है।

मुख्य तथ्य

✶ एडवांस ऑर्डिनेन्स डिपो (एओडी) के 221 आयुध कर्मियों द्वारा 6/7 अप्रैल 1944 की रात को लड़े गए कंगला टोंगबी के युद्ध को द्वितीय विश्व युद्ध के भयंकर युद्धों में से एक माना जाता है।

✶ इस लड़ाई में 221 अग्रिम आयुध डिपो के आयुध कार्मिकों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देने हेतु इम्फाल के निकट कंगला टोंगबी वॉर मेमोरियल पर सेना आयुध कोर द्वारा 07 अप्रैल 2019 को प्लेटिनम जयंती के तौर पर मनाया गया।

कंगला टोंगबी वॉर मेमोरियल

✶ कंगला टोंगबी वॉर मेमोरियल, 221 एओडी, 19 के आयुध कर्मियों की कर्तव्य के प्रति अगाध श्रद्धा का एक मौन प्रमाण होने के साथ-साथ उनके सर्वोच्च बलिदान का भी प्रमाण है।

✶ यह स्मारक विश्व को यह बताता है कि आयुध कर्मी पेशेवर कार्मिक होने के अलावा युद्ध के समय में भी एक कुशल सैनिक के रूप से किसी से पीछे नहीं हैं।

✶ वीरता के इस कार्य के लिए, मेजर बॉयड को मिलिट्री क्रॉस (एमसी), कंडक्टर पक्केन को मिलिट्री मेडल (एमएम) और हवलदार/क्लर्क स्टोर, बसंत सिंह को भारतीय विशिष्ट सेवा मेडल (आईडीएसएम) से सम्मानित किया गया।

कंगला टोंगबी की ऐतिहासिक लड़ाई

✶ 6/7 अप्रैल 1944 की रात को जापानी बलों ने तीन ओर से आक्रामक आक्रमण करके इम्फाल और इसके आसपास के क्षेत्रों पर कब्जा करने की एक योजना बनाई थी।

✶ इम्फाल तक अपनी संचार लाइन का विस्तार करने के प्रयास के तहत, 33वीं जापानी डिवीजन ने म्यांमार स्थित 17वीं भारतीय डिवीजन के मार्ग को अवरुद्ध करते हुए मुख्य कोहिमा-मणिपुर राजमार्ग पर अपना कब्जा जमा लिया और कंगला टोंगबी की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया।

✶ कंगला टोंगबी में तैनात 221 एओडी की एक छोटी लेकिन दृढ़ टुकड़ी ने अग्रिम जापानी बलों को रोकने के लिए उनके खिलाफ कड़ा प्रतिरोध किया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

- तकनीकी दृष्टि से 221 एओडी की स्थिति बिल्कुल भी मजबूत नहीं थी। जब यह टुकडी हर तरफ से दुश्मन से घिर गई तो इसने अपनी आत्मरक्षा के लिए स्वयं की युद्ध क्षमता पर भरोसा किया।
- डिपो की रक्षा के लिए एक आत्मघाती दस्ता तैयार किया गया, जिसमें मेजर बॉयड, हवलदार/क्लर्क स्टोर के तौर पर कार्य करने वाले बसंत सिंह, कंडक्टर पक्केन के अलावा डिपो के अन्य कर्मी भी शामिल थे।
- 06 अप्रैल 1944 को डिपो से 4,000 टन गोला–बारूद, आयुध और अन्य युद्ध के सामानों को हटाने के आदेश दिए गये।
- 6/7 अप्रैल 1944 की रात को, जापानियों ने डिपो पर भारी हमला किया, लेकिन डिपो के निचले भाग की ओर एक गहरे नाले को एक सुरक्षा कवर के रूप में इस्तेमाल किया गया।
- इस नाले का बंकर के तौर पर उपयोग करते हुए यहां से दुश्मन पर भारी गोलीबारी की गई जिससे दुश्मन को अपने कदम वापस खींचने पर मजबूर होना पड़ा।
- इस हमले में महत्वेपूर्ण भूमिका निभाने वाली ब्रेन गन को हवलदार और क्लार्क स्टोर, बसंत सिंह ने बनाया था।

स्रोतः द हिंदू

❑❑❑❑

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

राजव्यवस्था एवं शासन, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक विकास

मानसिक रोगी को फांसी नहीं दी जा सकती: सुप्रीम कोर्ट

चर्चा में क्यों?

☞ सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा की मानसिक रोगी को फांसी की सजा नहीं दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से मौत की सजा सुनाए गए उन कैदियों के लिए नई उम्मीदें पैदा हो गयी हैं जो दोष सिद्धि के बाद गंभीर मानसिक बीमारियों से ग्रसित हो गए।

मुख्य तथ्य

✶ जस्टिस एनवी रमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा है कि मौत की सजा पाए व्यक्ति के स्वास्थ्य स्थिति अब अपीलीय कोर्ट के लिए उसे फांसी की सजा घटाने का कारक होगा।

✶ सुप्रीम कोर्ट के अनुसार अपीलीय अदालतों के लिए कैदियों की मानसिक स्थिति फांसी की सजा नहीं सुनाने के लिए एक अहम पहलू होगी।

✶ पीठ ने कहा कि अभियुक्त अब आपराधिक अभियोजन से बचने के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत 'विधिसम्मत पागलपन' की याचिका दे सकते हैं। साथ ही बचाव पक्ष अपराध के वक्त से इसे जोड़ सकते हैं।

✶ पीठ ने दोषी ठहराए गए कैदी की फांसी की सजा से राहत दे दी क्योंकि अपनी मानसिक स्थिति के वजह से वह वारदात के अंजाम को जान नहीं सका।

✶ निर्देशों के दुरूपयोग को रोकने हेतु पीठ ने कहा कि यह भार आरोपी पर होगा कि वह स्पष्ट सबूतों के साथ यह साबित करे कि वह गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित है।

✶ कोर्ट ने कहा कि उपयुक्त मामलों में अदालत दोषियों की मानसिक बीमारी के दावे पर विशेषज्ञ रिपोर्ट के लिए एक पैनल का गठन कर सकती है।

पृष्ठभूमि:

✶ महाराष्ट्र में 1999 में अपनी दो नाबालिग बहनों की हत्या के अपराध में उसे फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि पीठ ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी को पूरी उम्र तक जेल में रखने और सरकार को उसके मानसिक स्वास्थ्य की उचित देखभाल का आदेश दिया।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

चुनाव आयोग ने पीएम मोदी पर बनी बायोपिक की रिलीज पर रोक लगाई

चर्चा में क्यों?

☞ चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बायोपिक के रिलीज पर रोक लगा दी है। यह फिल्म 11 अप्रैल 2019 को रिलीज होनी थी।

मुख्य तथ्य

✶ चुनाव आयोग ने मोदी बायोपिक सहित ऐसी किसी भी फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई है जिनका संबंध राजनीतिक है और वे चुनाव पर असर डाल सकती हैं।

✶ चुनाव आयोग ने इस बायॉपिक की स्क्रीनिंग पर चुनाव आचार संहिता लागू होने का हवाला देते हुए रोक लगा दी है।

✶ आयोग ने अपने आदेश में कहा कि चुनाव के दौरान ऐसी किसी फिल्म के प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जा सकती है जो किसी राजनीतिक दल या राजनेता के चुनावी हितों के उद्देश्य को पूरा करती हो।

✶ पीएम मोदी की बायोपिक पर सेक्शन 126 (1) रिप्रजेंटेटिव ऑफ द पिपल एक्ट के तहत रोक लगाई गई है।

✶ निर्वाचन आयोग के अनुसार, फिल्मों को किसी भी इलेक्टॉनिक, सोशल मीडिया या सिनेमा के दूसरे माध्यम पर प्रदर्शन करने से रोक लगाई गई है।

✶ चुनाव आयोग ने ये भी कहा है कि लोकसभा चुनावों के बीच जितनी भी बायोपिक रिलीज हो रही हैं, उनके लिए एक कमेटी बनेगी। रिव्यू के बाद ही ऐसी फिल्म रिलीज होंगी।

✶ चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक चुनावों के चलने तक पीएम नरेंद्र मोदी की बायोपिक को रिलीज नहीं किया जा सकेगा।

आचार संहिता क्या है?

✶ चुनाव की घोषणा के साथ ही 10 मार्च, 2019 को आदर्श आचार संहिता लागू हो गया था। आचार संहिता चुनावों की घोषणा होते ही लागू कर दी जाती है।

✶ आचार संहिता चुनाव समिति द्वारा बनाया गया वो दिशानिर्देश होता है जिसे सभी राजनीतिक पार्टियों को मानना होता है।

✶ आचार संहिता का मुख्य उद्देश्य पार्टियों के बीच मतभेद टालने, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराना होता है।

✶ आचार संहिता द्वारा ये सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी, केंद्रीय या राज्य की अपने आधिकारिक पदों का चुनावों में लाभ हेतु गलत इस्तेमाल न करें।

स्रोत: द हिंदू

जैव विविधता संबंधी समितियां गठित करने हेतु निर्देश जारी

चर्चा में क्यों?

☞ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने प्रत्येक राज्य में स्थानीय स्तर पर तीन महीने के भीतर जैव विविधता संबंधी समितियां गठित करने के बारे में पर्यावरण और वन मंत्रालय को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी द्वारा जारी निर्देश

✶ एनजीटी की पीठ ने कहा है कि आगे के चरणों को तीन महीने के भीतर पूरा करने से सम्बंधित जानकारी ई-मेल से पर्यावरण और वन मंत्रालय (एमओईएफ) द्वारा भेजी जानी चाहिए।

✶ इस दौरान विषय से संबंधित प्रभारी अगली तारीख पर अनुपालन रिपोर्ट के साथ उपस्थित रह सकता है।

✶ सुनवाई के दौरान, न्यायाधिकरण द्वारा गठित एक निगरानी समिति ने बताया कि पंचायतों द्वारा 2,52,709 जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया जाना था लेकिन अभी तक कुल 1,44,371 समितियों का ही गठन किया गया है, जो एक लाख से अधिक का अंतर दिखाती है।

✶ पीपल बायोडायवर्सिटी रजिस्टर्स के अनुसार अभी तक 6,834 दस्तावेज तैयार किये गये हैं जिसमें अभी 1,814 प्रगति पर हैं।

✶ गौरतलब है कि 08 अगस्त 2018 को एनजीटी द्वारा एक निगरानी समिति बनाई गई थी जिसमें वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और राष्ट्रीय जैव विविधिता प्राधिकरण के अधिकारियों को शामिल किया गया। इस समिति से इस संबंध में जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

✶ पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार के प्रवर्तन तथा व्यक्तियों एवं संपत्ति के नुकसान के लिए सहायता और क्षतिपूर्ति देने या उससे संबंधित या उससे जुड़े मामलों सहित, पर्यावरण संरक्षण एवं वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्रगामी निपटारे के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के अंतर्गत 18.10.2010 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना की गई।

✶ यह एक विशिष्ट निकाय है जो बहु-अनुशासनात्मक समस्याओं वाले पर्यावरणीय विवादों को संभालने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता द्वारा सुसज्जित है।

✶ अधिकरण, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया द्वारा बाध्य नहीं होगा, लेकिन नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

दहेज उत्पीड़न से परेशान महिलाएं कहीं भी दर्ज करा सकती हैं एफआईआर: सुप्रीम कोर्ट

चर्चा में क्यों?

☞ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दहेज उत्पीड़न की शिकार महिला जहां शरण लिये हुए है वहां से भी मुकदमा दायर करा सकती है।

मुख्य तथ्य

★ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रूरता के कारण ससुराल से बाहर कर दी गयी महिला आरोपियों के खिलाफ उस स्थान पर भी मामला दर्ज करा सकती है, जहां वह शरण लेने के लिए मजबूर है।

★ कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया है कि महिला को उस इलाके में शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं है जहां उसकी ससुराल है।

★ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीड़ित महिला भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 ए के तहत अपने आश्रय स्थल या मायके में आपराधिक मुकदमा दर्ज करा सकती है। दरअसल, अभी तक महिला को उसी जगह मुकदमा दायर कराना पड़ता था, जहां उसकी सुसराल है।

★ कोर्ट ने धारा 498, की व्याख्या करते हुए कहा कि इसमें शारीरिक और मानसिक दोनों प्रताड़नाएं शामिल मानी जाएंगी।

★ कोर्ट ने कहा कि 498ए में दी गई क्रूरता की परिभाषा के मद्देनजर ससुराल द्वारा सताई गई महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

★ दरअसल न्यायालय इस मुद्दे पर एक संदर्भ पर विचार कर रहा था कि क्या आईपीसी की धारा 498ए के तहत दहेज उत्पीड़न की सजा पर क्रूरता का मामला उस जगह दर्ज किया जा सकता है, जो जांच और आरोपी को सजा का अधिकार क्षेत्र वाले जगह से अलग हो।

फैसले का असर:

★ सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उन बहुत सी महिलाओं को राहत मिलेगी जो सताए जाने के कारण ससुराल छोड़कर मायके आ जाती हैं।

★ पीड़ित महिलाएं जिनका मायका ससुराल से दूर किसी और राज्य में स्थित है तो वे अपने मायके में ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ना का आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं करा पाती थीं।

★ लेकिन अब पीड़ित महिलाएं सताए जाने के कारण ससुराल छोड़कर मायके या किसी और जगह शरण लेने वाली महिला जहां शरण लेगी वहीं ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा सकती है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सुप्रीम कोर्ट ने पेंशन से संबंधित केरल हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा

चर्चा में क्यों?

☞ सुप्रीम कोर्ट ने 01 अप्रैल 2019 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की याचिका को खारिज करते हुए केरल हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें कर्मचारियों को उनकी पूरी सैलरी के हिसाब से पेंशन देने का आदेश दिया गया था. इस फैसले के बाद निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी ज्यादा पेंशन मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला:

✶ सुप्रीम कोर्ट ने प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन को पूरी सैलरी के आधार पर देने का आदेश दिया है, जिससे रिटायर कर्मचारियों को अब कई गुना बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी।

✶ सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ की वह याचिका भी खारिज कर दी है, जिसमें कर्मचारियों की पेंशन की गणना नौकरी के अंतिम पांच सालों की औसत सैलरी के आधार पर करने की मांग की गई थी।

✶ सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले का समर्थन करते हुए कर्मचारियों के रिटायरमेंट के अंतिम साल की सैलरी के आधार पर ही पेंशन देने का फैसला दिया है।

✶ मौजूदा समय में ईपीएफओ पेंशन की गणना प्रतिमाह 1250 रुपये (15000 का 8.33 फीसदी) के हिसाब से करता है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ)

✶ कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, भारत की एक राज्य प्रोत्साहित अनिवार्य अंशदायी पेंशन और बीमा योजना प्रदान करने वाला शासकीय संगठन है। सदस्यों और वित्तीय लेनदेन की मात्रा के मामले में यह विश्व की सबसे बड़ा सगठन है।

✶ इसका मुख्य कार्यालय दिल्ली में है. ईपीएस की शुरुआत वर्ष 1995 में की गई थी। तब नियोक्ता कर्मचारी की सैलरी का अधिकतम सालाना 6,500 (541 रुपये महीना) का 8.33 प्रतिशत ही ईपीएस के लिए जमा कर सकता था।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, भारत और विश्व एवं वैश्विक परिदृश्य

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस-2019

चर्चा में क्यों?

☞ बौद्धिक संपदा दिवस-2019 विश्व भर में 26 अप्रैल 2019 को मनाया गया। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस नवाचार और रचनात्मका को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, कॉपीराइट) की भूमिका के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

मुख्य तथ्य

★ वर्ष 2019 में इस दिवस का मुख्य विषय- रीच फॉर गोल्ड: आईपी एंड स्पोर्ट्स *(Reach for Gold : IP and Sports)* है।

★ बौद्धिक संपदा संरक्षण हेतु अंतरराष्ट्रीय मानदंडों व मानकों का विकास एवं अनुप्रयोग इस संगठन की गतिविधियों का मूलभूत अंग है।

★ इस दिन, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) इस दिन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के आयोजन हेतु अलगख़ अलग सरकारी एजेंसियों, गैर, सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों के साथ मिलकर काम करता है।

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ):

★ यह संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी एजेंसियों में से एक है। गौरतलब है कि डब्ल्यूआईपीओ संयुक्त राष्ट्र के 15 विशिष्ट एजेंसियों में से एक है।

★ इसकी स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

★ डब्ल्यूआईपीओ बौद्धिक संपदा की जानकारी के लिये विश्वसनीय वैश्विक संदर्भ स्रोत का काम करता है।

★ भारत डब्ल्यूआईपीओ का सदस्य है और डब्ल्यूआईपीओ द्वारा प्रशासित कई संधिओं के लिए पार्टी है।

पृष्ठभूमि:

★ अक्टूबर 1999 में, डब्ल्यूआईपीओ की महासभा में एक खास दिन को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस घोषित करने के विचार को मंजूरी दी थी।

★ वर्ष 2000 में, डब्ल्यूआईपीओ ने 26 अप्रैल को वार्षिक विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के तौर पर मनाने और इस दिन बतौर व्यापार/ कानूनी अवधारणा के बौद्धिक संपदा के बीच मौजूद कथित अंतर को दूर करने और लोगों के जीवन में उसके महत्व को समझाने का फैसला किया।

स्रोत: द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सीपरी रिपोर्ट 2019

चर्चा में क्यों?

☞ स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत का सैन्य खर्च वर्ष 2018 में 3.1प्रतिशत बढ़ा है। सीपरी ने वैश्विक स्तर पर होने वाले सैन्य खर्च के आँकड़े प्रस्तुत किये हैं।

☞ स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा सैन्य खर्च रिपोर्ट पेश करने का उद्देश्य एक ऐसे शांतिपूर्वक विश्व का निर्माण करना है जहां असुरक्षा के स्रोतों को पहचाना और समझा जाए, संघर्षों को रोका या हल किया जाए और शांति बनाए रखी जा सके।

भारत से संबंधित तथ्य

★ सीपरी द्वारा पेश किये गये आँकड़ों के अनुसार, सेना पर खर्च के मामले में भारत वर्ष 2018 में दुनिया में चौथे स्थान पर रहा। जबकि वर्ष वर्ष 2017 में भारत इस सूची में पाँचवे स्थान पर था।

★ वर्ष 2018 में भारत ने अपने सैन्य खर्च को 3.1 प्रतिशत बढ़ाकर 66.5 बिलियन डॉलर कर दिया। वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च में भारत का हिस्सा 3.7% था।

★ स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत नए लड़ाकू विमानों, जेट, युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, तोपखाने और पैदल सेना के हथियारों के साथ अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने में भारी निवेश कर रहा है।

वैश्विक तथ्य

★ सीपरी के आँकड़ों के अनुसार, चीन वर्ष 2018 में सैन्य खर्च करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश था।

★ अमेरिका इस सूची में पहले स्थान पर है। विश्व भर में सैन्य साजो-सामान पर होने वाले खर्च का 60% पांच देशों द्वारा किया जाता है।

★ इस सूची में शामिल टॉप पांच देश हैं- अमेरिका, चीन, सऊदी अरब, भारत और फ्रांस।

★ रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने वर्ष 2013 के बाद से हर साल अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत सैन्य खर्च के लिये आवंटित किया है।

★ इस सूची में 11.4 बिलियन डॉलर के सैन्य खर्च के साथ पाकिस्तान वर्ष 2018 में 20वें स्थान पर था।

स्रोतः द हिंदू , इकोनॉमिक टाइम्स

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से परिवर्तित करने की योजना

चर्चा में क्यों?

☞ इंडोनेशिया सरकार द्वारा हाल ही में जकार्ता से हटकर नई राजधानी बनाने के लिए राष्ट्रपति जोको विडोडो द्वारा विभिन्न योजनाओं पर विचार किया गया है।

इंडोनेशिया की राजधानी बदलने के कारण

✶ जकार्ता की जनसंख्या बढ़ने के कारण यहां संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। माना जा रहा है कि जनसंख्या का बढ़ रहा दबाव भी इंडोनेशिया की राजधानी बदलने का एक मुख्य कारण है।

✶ दूसरा, इंडोनेशिया समुद्री किनारों से घिरा है तथा जकार्ता के पास 13 नदियां मौजूद हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर के कारण इसके डूबने का खतरा भी बढ़ गया है।

✶ शोधकर्ताओं के मुताबिक इस शहर का बड़ा हिस्सा साल 2050 तक डूब सकता है। उत्तरी जकार्ता हर साल औसतन 1–15 सेंटीमीटर डूबता जा रहा है।

✶ इसके अतिरिक्त, जकार्ता में ट्रैफिक के बढ़ रहे दबाव के कारण भी राजधानी बदली जा सकती है।

तीन विकल्प

✶ पहला विकल्प जकार्ता को राजधानी के रूप में रखना था लेकिन दक्षता में सुधार के लिए राष्ट्रपति महल और राष्ट्रीय स्मारक के आसपास एक नया सरकारी कार्यालय स्थापित करना था।

✶ दूसरा विकल्प जकार्ता के बाहर 50 से 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक नई राजधानी स्थापित करना था।

✶ तीसरा विकल्प था कि किसी द्वीप पर नये सिरे से राजधानी बना दी जाये।

✶ इंडोनेशिया के योजना मंत्री बमबैंग के अनुसार पहले दो विकल्प जकार्ता में बढ़ रहे जनसंख्या के दबाव को कम करने में असमर्थ हैं।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

चीन और पाकिस्तान ने अंतरिक्ष खोज समझौते पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों?

☞ चीन और पाकिस्तान ने अंतरिक्ष में संभावनाएं तलाशने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य तथ्य

✶ अंतरिक्ष समझौते से अंतरिक्ष विज्ञान एवं खोज में सहयोग की नींव स्थापित होगी। दोनों राष्ट्र वैज्ञानिक और तकनीकी प्रयोग करेंगे और अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण देंगे।

✶ चीन और पाकिस्तान के बीच अंतरिक्ष समझौता ऐसे समय में हुआ है जब भारत ने पिछले महीने सफल उपग्रह रोधी मिसाइल परीक्षण किया।

✶ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों वन बेल्ट-वन रोड (ओबीओआर) अभियान के तहत हो रहे दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन के दौरे पर थे।

✶ पाकिस्तान के आर्थिक विकास के लिए कराची-पेशावर रेलवे ट्रैक का डबल ट्रैक में परिवर्तन जरूरी समझा जा रहा था, इसलिए पाकिस्तान ने इसके विकास पर दस्तखत किए हैं। इस परियोजना के तहत 1,680 किलोमीटर की लंबाई में नया रेलवे ट्रैक बनेगा।

✶ चीन इसके लिए 8.4 अरब डॉलर (58 हजार करोड़ रुपये) की सहायता देगा। पाकिस्तान की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 19 अरब डॉलर (1.32 लाख करोड़ रुपये) की मदद दे रहा है।

✶ चीन अपने ओबीओआर अभियान के तहत बांग्लादेश, चीन, भारत, म्यांमार को जोड़ने वाला (बीसीआइएम) इकॉनोमिक कॉरीडोर बनाना चाहता है। लेकिन दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उसका इस विषय में कोई प्रस्ताव नहीं आया।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और डेनमार्क के बीच सहयोग समझौते को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

☞ मंत्रिमंडल ने अपतटीय पवन ऊर्जा पर विशेष ध्यान के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा डेनमार्क के ऊर्जा, उपयोग व जलवायु मंत्रालय के बीच रणनीतिक सहयोग समझौते को मंजूरी दी।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

उद्देश्य:

☞ सहयोग समझौते का उद्देश्य अपतटीय पवन ऊर्जा पर विशेष ध्यान देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

मुख्य तथ्य

★ सहयोग के क्षेत्रों में अपतटीय पवन परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए तकनीकी क्षमता विकसित करना, उच्च कार्यकुशलता के साथ पवन ऊर्जा उद्योग (तटीय व अपतटीय दोनों) को विकसित करने के उपाय, पवन टर्बाइन, कलपुर्जे और प्रमाणीकरण की उच्चद गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय तथा अपतटीय पवन के बारे में भविष्यवाणी करना व समय-सारणी बनाना आदि शामिल हैं।

★ समझौते में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग से संबद्ध है। इसमें अपतटीय पवन ऊर्जा पर जोर है। साथ ही भारत-डेनमार्क उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की भी बात कही गयी।

★ भारत-डेनमार्क सेंटर ऑफ एक्सिलेंस नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के मूल्यांयकन का काम करेगा। अपतटीय और तटवर्ती पवन पर विशेष ध्याऊन दिया जायेगा।

★ इसके अतिरिक्त यह केन्द्र पवन, सौर, जल-विद्युत और भंडारण तकनीक को आपस में जोड़ने, नवीकरणीय ऊर्जा को उच्च स्तर के पवन ऊर्जा से एकीकृत करने, जांच और अनुसंधान तथा कौशल विकास/क्षमता निर्माण करने पर भी विशेष ध्यान देगा।

भारत डेनमार्क संबंध:

★ डेनमार्क भारत के प्रमुख व्यापार भागीदारों में से एक है. डेनमार्क से भारत को होने वाले प्रमुख आयातों में औषधीय/फार्मास्यूटिकल वस्तुएं, विद्युत उत्पादन मशीनरी, औद्योगिक मशीनरी, धातु खनिज, ऑर्गेनिक रसायन आदि शामिल हैं।

★ भारत से डेनमार्क को होने वाले निर्यात में सिलेसिलाए कपड़े, वस्त्र/फेब्रिक यार्न, सड़क वाहन और घटक, धातु की वस्तुएं, लोहा और स्टील, जूते और यात्रा वस्तुएं शामिल हैं।

★ दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और समुद्रीय क्षेत्र में सहयोग और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डेनमार्क के साथ द्विपक्षीय समझौता करने का प्रस्ताव किया गया है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019

चर्चा में क्यों?

☞ अंतरराष्ट्रीय संस्था, रिपोर्टर्स विदऑउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा हाल ही में विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक-2019 रिपोर्ट जारी की गयी।

मुख्य तथ्य

★ इस रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान गिरकर 140वें स्थान पर पहुंच गई है।

★ रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में प्रेस स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति में से एक पत्रकारों के खिलाफ हिंसा है।

★ इसमें पुलिस की हिंसा, माओवादियों के हमले, अपराधी समूहों या राजनीतिज्ञों का प्रतिशोध शामिल है।

भारत के संदर्भ में रिपोर्ट:

★ विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत साल 2017 में 136वें स्थान पर और साल 2018 में 138वें स्थान पर था और अब दो अंक कम होकर 140 पर पहुंच गया है। इस सर्वेक्षण में कुल 180 देशों को शामिल किया गया है।

★ सर्वेक्षण के अनुसार मौजूदा केंद्र सरकार के समर्थकों द्वारा सोशल नेटवर्क पर पत्रकारों पर निशाना साधा जाता है और नफरत वाले बयानों को बढ़ावा दिया जाता है।

★ कट्टरवादी राष्ट्रवादियों के ऑनलाइन अभियानों का पत्रकार तेजी से निशाना बन रहे हैं। साथ ही कट्टर राष्ट्रवादी शारीरिक हिंसा की धमकी देते हैं।

★ इस रिपोर्ट में आम चुनावों के वक्त को भारत में पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक समय बताया गया है।

★ इस अध्ययन के अनुसार, 2018 में अपने काम की वजह से भारत में कम से कम छह पत्रकारों की जान गई है।

वैश्विक संदर्भ में रिपोर्ट:

★ दक्षिण एशिया में प्रेस की आजादी के मामले में पाकिस्तान तीन पायदान लुढ़कर 142वें स्थान पर है।

★ बांग्लादेश चार पायदान लुढ़कर 150वें स्थान पर है।

★ नॉर्वे लगातार तीसरे साल पहले पायदान पर है, जबकि फिनलैंड दूसरे स्थान पर है।

★ सबसे निचली रैंकिंग तुर्कमेनिस्तान की है जो 180वें स्थान पर है वहीं उत्तर कोरिया 179वें स्थान पर है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में टॉप-10 देश	सबसे कम प्रेस स्वतंत्रता वाले 10 देश
नॉर्वे (1)	तुर्कमेनिस्तान (180)
फिनलैंड (2)	उत्तर कोरिया (179)
स्वीडन (3)	इरीट्रिया (178)
नीदरलैंड (4)	चीन (177)
डेनमार्क (5)	वियतनाम (176)
स्विट्जरलैंड (6)	सूडान (175)
न्यूजीलैंड (7)	सीरिया (174)
जमैका (8)	जिबूती (173)
बेल्जियम (9)	सऊदी अरब (172)
कोस्टा रिका (10)	लाओस (171)

स्रोतः द हिंदू , इंडियन एक्सप्रेस

अमेरिका ने भारत को प्राथमिक निगरानी सूची में रखा

चर्चा में क्यों?

☞ अमेरिका ने हाल ही में भारत को बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकारों के उल्लंघन के लिए ऐसे देशों की सूची में रखा है, जिनकी वह इस मामले में प्राथमिकता के साथ निगरानी करेगा।

☞ अमेरिका के अनुसार भारत ने अपने यहां बौद्धिक संपदा संरक्षण व्यवस्था को लेकर लंबे समय से चली आ रही शिकायतों से निपटने की दिशा में अभी कोई उल्लेखीय सुधार नहीं किया है। इससे अमेरिकी पेटेंट धारकों का अधिकार प्रभावित हुआ है।

मुख्य तथ्य

★ अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधित्व (यूएसटीआर) ने अपनी रिपोर्ट में भारत सहित 11 देशों को प्राथमिक निगरानी सूची में रखा है।

★ इस सूची में अन्य देशों में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, चिली, चीन, इंडोनेशिया, कुवैत, रूस, सऊदी अरब, यूक्रेन और वेनेजुएला शामिल हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

★ इसके अलावा यूएसटीआर ने पाकिस्तान और तुर्की सहित 25 देशों को निगरानी सूची में रखा है।

★ बौद्धिक संपदा के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत

★ भारत के बारे में यूएसटीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी कंपनियों को लंबे समय से भारत में आईपी से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे विशेषरूप से वहां फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र के नवोन्मेषकों को पेटेंट पाने और उसे कायम रखने में दिक्कतें आ रही हैं।

★ चीन इस सूची में पहले स्थान पर है। भारत को दूसरा स्थान मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बौद्धिक संपदा के फ्रेमवर्क में लंबे समय से खामियां रही हैं।

★ इसमें पेटेंट को लेकर होने वाली समस्याएं, कॉपीराइट, ट्रेड सीक्रेट और नियमों को लागू करने तक कई मुद्दे हैं।

स्रोतः द हिंदू

चीन से दूध उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध की समय सीमा बढ़ी

चर्चा में क्यों?

☞ केंद्र सरकार ने 23 अप्रैल 2019 को चीन से आयात होने वाले दूध और इसके उत्पादों के आयात पर रोक को अनिश्चितकाल के लिये बढ़ा दिया है।

मुख्य तथ्य

★ चीन से दूध तथा इससे जुड़ उत्पादों के आयात पर रोक अब बंदरगाहों पर स्थित प्रयोगशालाओं में जहरीले रसायन मेलामीन का परीक्षण करने की सुविधा उपलब्ध होने तक जारी रहेगी।

★ भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकार (एफएसएसएआई) ने चीन से दूध उत्पादों के आयात पर लगाई गई रोक को बंदरगाहों पर स्थिति प्रयोग शालाओं को आधुनिक बनाये जाने तक बढ़ाने की सिफारिश की थी।

★ मेलामीन एक खतरनाक जहरीला रसायन है। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और उर्वरक बनाने में किया जाता है।

★ यही वजह है कि भारत चीन से दूध और दूध उत्पादों का आयात नहीं करता है। सुरक्षा उपाय के तौर पर इस तरह के आयात पर रोक लगाई गई है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

पृष्ठभूमि:

★ चीन से दूध एवं दुग्ध उत्पादों के आयात पर सबसे पहले सितंबर 2008 में रोक लगाई गई थी।

★ इसके बाद से इस रोक को लगातार समय समय पर आगे बढ़ाया जाता रहा है।

★ सरकार द्वारा लगाई गई इस रोक की आखिरी समयसीमा 23 अप्रैल 2019 को समाप्त हो गई थी।

स्रोत: द हिंदू

सूडान में 30 साल के शासन का अंत, आपातकाल लागू

चर्चा में क्यों?

☞ अफ्रीकी देश सूडान में राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर का 30 साल का लंबा शासन 11 अप्रैल 2019 को समाप्त हो गया। सेना ने राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को 30 सालों के शासन के बाद इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया।

मुख्य तथ्य

★ साल 1989 से सूडान की सत्ता संभाल रहे बशीर के खिलाफ कई महीनों से प्रदर्शन जारी था।

★ सूडान सरकार द्वारा ब्रेड की कीमत तीन गुणा करने के बाद दिसंबर में यह प्रदर्शन शुरू हुए थे. सूडान में लोग महंगाई से जूझ रहे है।

★ इस बीच प्रदर्शनों को संगठित करने वाले प्रमुख गुट ने तख्तापलट के बावजूद 11 अप्रैल 2019 को प्रदर्शन जारी रखने का आह्वान किया है।

★ ओमर अल-बशीर पर नागरिकों के कई नरसंहार कराने का आरोप है। उन पर सूडान के पश्चिमी इलाके दारफुर में युद्ध अपराध को संगठित करने और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप हैं।

★ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी उनके खिलाफ मामला चल रहा है। उनके नेतृत्व में बीते कई सालों से संघर्षों से जूझ रहे सूडान की अर्थव्यवस्था भी बदहाल हो चुकी थी।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सूडान

✶ सूडान, आधिकारिक तौर पर सूडान गणराज्य, उत्तरी पूर्व अफ्रीका में स्थित एक देश है। यह अफ्रीका और अरब जगत का सबसे बड़ा देश है, इसके अलावा क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया का दसवां सबसे बड़ा देश है।

✶ इसकी राजधानी खार्तूम है। सूडान दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जहां आज भी 3000 ईपू बसी बस्तियां अपना वजूद बचाए हुए हैं।

✶ प्राकृतिक संसाधन के रूप में पेट्रोलियम और कच्चे तेल से भरे-पूरे सूडान की अर्थव्यवस्था वर्तमान में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। जनवादी गणराज्य चीन और रूस सूडान के सबसे बड़े व्यापार भागीदार हैं।

स्रोत: द हिंदू

अमेरिका ने ईरानी सेना 'रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स' को आतंकी संगठन घोषित किया

चर्चा में क्यों?

☞ अमेरिका ने 08 अप्रैल 2019 को ईरानी सेना रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। यह पहली बार है जब अमेरिका ने दूसरे राष्ट्र की सेना को आतंकवादी संगठन करार दिया है।

मुख्य तथ्य

✶ ईरान ने भी अमेरिका की 'सेंट्रल कमांड' को आतंकी संगठन घोषित कर दिया. बहरीन ने अमेरिका के इस कदम का स्वागत किया है।

✶ अमेरिका ने आईआरजीसी और इससे जुड़े संस्थानों पर पहले से ही आतंकवाद को समर्थन देने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाता रहा है।

✶ अमेरिकी प्रशासन ने यह कदम ईरान के खिलाफ तथा सीरिया, लेबनान, इराक, यमन और इजराइल विरोधी मिलिशिया गुटों को उसके समर्थन के लिए एक माह से अपनी आलोचना तेज करने के बाद उठाया है।

✶ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु समझौते को खत्म करने के बाद वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव बढ़ गया है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

✶ अमेरिकी प्रशासन ने कहा की यह अप्रत्याशित कदम यह याद दिलाता है कि ईरान न सिर्फ आतंकवाद प्रायोजित करने वाला देश है बल्कि आईआरजीसी आंतकवाद को धन मुहैया कराने और उसे बढ़ावा देने में सक्रियता से लगा है।

रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी)

☞ रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स ईरान के आर्म्ड फोर्स का हिस्सा है। इस्लामिक रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स का गठन साल 1979 इस्लामी क्रांति के बाद किया गया था। देश की पारंपरिक सैन्य इकाइयां सीमाओं की रक्षा करती हैं जबकि इसके विपरीत रिवॉल्युशनरी गार्ड देश में इस्लामी गणतंत्र प्रणाली की रक्षा करता है।

स्रोत: द हिंदू

ELITE IAS

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दो किस्तों में जारी किए

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की दो किस्तों में जारी किए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पहली किस्त के तहत 3.10 करोड़ छोटे एवं सीमांत किसानों को 2,000 – 2,000 रुपये जारी किए गए हैं और 2.10 करोड़ किसानों को योजना की दूसरी किस्त भी पहुंच चुकी है।
- केंद्र सरकार इसके लिए ने अब तक 10,500 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।
- केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले 75,000 करोड़ रुपये की इस योजना की घोषणा की थी। इसके तहत देश के करीब 12 करोड़ छोटे एवं सीमांत किसानों को साल में तीन किस्तों में 6,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जानी है।
- हालांकि निर्वाचन आयोग ने कृषि मंत्रालय को 10 मार्च को आदर्श आचार संहिता के लागू होने से पंजीकृत लाभार्थियों को इसकी पहली और दूसरी किस्त जारी करने की अनुमति दे दी थी।
- इस योजना (पीएम-किसान) के तहत 10 मार्च से पहले 4.76 करोड़ किसान पंजीकृत हो चुके हैं। अब तक 3.10 करोड़ किसानों को पहली और 2.10 करोड़ किसानों को दूसरी किस्त जारी की जा चुकी हैं।
- पहली और दूसरी किस्त में अब तक कुल मिलाकर किसानों को 10,500 करोड़ रुपये पहुंचा दिए गए हैं।
- केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के जिन पात्र किसानों ने समय से यानी चुनाव आचार संहिता लगने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराये हैं, उनकी संख्या लगभग सवा सात करोड़ है। इनके बैंक खातों में फिलहाल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की किस्तें जमा नहीं हो रही हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना:

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल 6,000 रुपये की सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये किसानों के बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। यह राशि उन्हें 2,000-2,000 रुपये की तीन किस्तों में दी जाएगी।
- केंद्र सरकार द्वारा इस प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ देश के सभी छोटे और सीमांत किसानो को दिया जाएगा. किसान सम्मान निधि योजना का लाभ 2 हेक्टयर तक की भूमि रखने वाले सभी निम्नवर्ग के किसानो को दिया जाएगा।
- सरकार ने फसलों का एमएसपी लागत डेढ़ गुना करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को मंजूरी के अंतर्गत 2 हेक्टेयर तक की जमीन वाले किसान को हर साल 6 हजार रुपये मिलेंगे।
- इसका फायदा देश के 12 करोड़ किसानों को मिलेगा। किसान निधि के लिए 75,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। किसानों की आय साल 2022 तक दुगनी करने का लक्ष्य है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट-2019

चर्चा में क्यों?

☞ अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आइएफपीआरआइ) ने हाल ही में वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट-2019 जारी की।

मुख्य तथ्य

★ रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक आर्थिक विकास बीते साल तेजी से आगे बढ़ा लेकिन यह खाद्य संकट की समस्या को कम करने में मददगार साबित नहीं हुआ।

★ रिपोर्ट के अनुसार भूख और कुपोषण, गरीबी, सीमित आर्थिक अवसर तथा पर्यावरण क्षरण के कारण विश्व के कई हिस्सों में ग्रामीण क्षेत्र संकट की स्थिति से गुजर रहे हैं।

★ रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व की कुल आबादी में 45.3 प्रतिशत ग्रामीण आबादी है और विश्व की कम-से-कम 70 प्रतिशत आबादी बहुत ही गरीब है।

★ विश्व भर में साल 2012 से साल 2017 के बीच कुपोषण के कारण बच्चों के कद न बढ़ने के मामलों में नौ प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी लेकिन इसके बावजूद ऐसे बच्चों की संख्या 15 करोड़ है, जो बहुत अधिक है।

★ बच्चों के कद न बढ़ने के मामले और पोषण के अन्य संकेतकों से पता चलता है कि सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति का रास्ता बेहद दुर्गम है।

★ ग्रामीण आबादी तीव्र जनसंख्या वृद्धि दर, अपर्याप्त रोजगार और उद्यम निर्माण, खराब बुनियादी ढाँचा तथा अपर्याप्त वित्तीय सेवाओं के कारण पीड़ित है।

★ विश्व भर में लगभग 50 प्रतिशत ग्रामीण युवाओं के पास कोई औपचारिक रोजगार नहीं है, वे या तो बेरोजगार हैं या अस्थायी रोजगार में लगे हैं।

★ रिपोर्ट के अनुसार, नव-प्रवर्तनशील और समग्र पुनरुद्धार के बिना नए अवसरों का लाभ उठाने और बढ़ती चुनौतियों का सामना करने हेतु साल 2030 तक सभी के लिये खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना मुश्किल होगा।

★ रिपोर्ट में भारत सरकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि इसका लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दोबारा सशक्त करके ढांचागत बदलाव लाना है।

★ रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बदलते उपभोग पैटर्न ने शहरीकरण, जनसांख्यिकीय बदलाव, आय में वृद्धि और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं तथा खाद्य प्रणालियों के बढ़ते एकीकरण से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता और रोजगार के नए अवसर प्रदान किये हैं।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

लक्ष्मी विलास बैंक एवं इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस के विलय को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

☞ लक्ष्मी विलास बैंक तथा इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के विलय को हाल ही में मंजूरी प्रदान की गई है। विलय के तहत लक्ष्मी विलास बैंक के मंजूर योजना के तहत बैंक के शेयरधारकों को प्रति 100 शेयर के बदले इंडियाबुल्स के 14 शेयर मिलेंगे।

☞ इससे पूर्व वर्ष 2014 में भी लक्ष्मी विलास बैंक ने इंडियाबुल्स के साथ विलय की घोषणा की थी लेकिन उस समय भारतीय रिजर्व बैंक ने इस विलय को नामंजूर कर दिया था।

लक्ष्मी विलास बैंक एवं इंडियाबुल्स विलय

✶ विलय की गई इकाई का नाम इंडियाबुल्स लक्ष्मी विलास बैंक होगा और आकार में भारत के शीर्ष आठ निजी बैंकों में शामिल होगा।

✶ इसका ग्रॉस एनपीए 3.5% और नेट एनपीए 2% होगा जबकि सीआरआर 20.6% होगा। इसमें से 14.4% सीईटी 1 कैपिटल होगा।

✶ इंडियाबुल्स के संस्थापक और अध्यक्ष समीर गहलोत की हिस्सेदारी 21.5 प्रतिशत से घटकर 19.5 प्रतिशत और विलय से प्रभावी होने से पहले 15 प्रतिशत से नीचे आ जाएगी। गहलोत द्वारा विलय के पश्चात् इकाई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना है।

✶ इंडियाबुल्स के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गगन बंगा और एलवीबी के प्रबंध निदेशक पार्थसारथी मुखर्जी संयुक्त प्रबंध निदेशक होंगे।

✶ इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनैंस ने आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर एस एस मुंद्रा की अध्यक्षता में रि-ऑर्गनाइजेशन कमिटी का गठन किया है, जो इस विलय की प्रक्रिया को पूरा कराने का काम करेंगे।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वित्त आयोग को बढ़ावा देने की सिफारिशें की

चर्चा में क्यों?

☞ ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव अमरजीत सिन्हा के नेतृत्व में मंत्रालय ने 11 अप्रैल 2019 को 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह, वित्त आयोग के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आयोग के बेहतर समावेशी विकास, इक्विटी, दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देने हेतु अपने मंत्रालय की योजनाओं के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

☞ इस प्रस्तुति में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना, ग्राम पंचायत नेतृत्व, डाटा संचालित और जवाबदेह विकास दृष्टिकोण, बेहतर परिणामों के लिए शासन सुधार तथा ग्रामीण विकास के लिए अन्य विशिष्ट प्रस्ताव के बारे में जोर दिया गया।

मंत्रालय ने ग्रामीण भारत के लिए अतिरिक्त संसाधनों हेतु एक मुद्दा बनाया:

✶ अधिक हिस्सेदारी / राज्य के हिस्से में बढ़ोतरी ख्र पीएमजीएसवाई, पीएमएवाई (जी)।

✶ अधिक बजटीय उधार राशि – पीएमएवाई ग्रामीण।

✶ वित्त आयोग हस्तांतरण।

✶ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के ऋणों में भारी बढ़ोतरी – 81,077 करोड़ रुपये।

✶ आजीविका पर जोर देते हुए आय में बढ़ोतरी – कृषि तालाब, कुएं, पशुओं के शेड/संसाधन।

✶ शासन सुधारों के कारण अधिक प्रभावी हस्तांतरण – आईटी/प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण – गड़बड़ी रोकना।

✶ सड़कों के रखरखाव, कुछ योजनाओं का हस्तांतरण और मानव संसाधन सुधार जैसे ग्रामीण विकास के अन्य विशेष प्रस्ताव।

प्रस्तुति में सरकार के सुधार और कुशल पंचायत विकास के मुद्दे को शामिल किया गया:

✶ निधि हस्तांतरण के लिए आवश्यक पूर्व शर्त के रूप में शासन सुधार और कुशल ग्राम पंचायत विकास योजनाएं।

✶ पंचायतों (महिला स्वयं सहायता समूहों सहित) का क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी का उपयोग, डाटा संचालित वित्तीय प्रबंधन सुधार और आवश्यक शर्तों के रूप में जिओ-टैगिंग।

✶ सिफारिशों के हिस्से के रूप में व्यापक मानव संसाधन।

✶ सड़क के रखरखाव के लिए निर्धारण।

✶ राज्यों को डीआरडीएस हस्तांतरित करना।

✶ आयोग अब सरकार को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए इन सभी मुद्दों के बारे में विचार-विमर्श करेगा।

स्रोत: पीआईबी

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं स्वास्थ्य

आईएनएस इम्फाल युद्धपोत लॉन्च

चर्चा में क्यों?

☞ भारतीय नौसेना ने हाल ही में आईएनएस इम्फाल का समुद्र में जलावतरण किया।

मुख्य तथ्य

✶ भारतीय नौसेना के लिए निर्मित आईएनएस इम्फाल गाइडेड मिसाइलों को ध्वस्त करने में सक्षम है।

✶ इसके निर्माण की मुख्य बात यह है कि इसे भारत में ही डिजाइन किया व बनाया गया है।

✶ भारतीय नौसेना द्वारा आईएनएस इम्फाल का मुंबई के मंझगांव डॉक्स में जलावतरण किया गया।

✶ परंपरा के अनुसार जिन विध्वंसक हथियारों या युद्धपोतों का निर्माण देश में किया जाता है उनका नाम या तो राज्य की राजधानी या फिर बड़े शहर के नाम पर रखा जाता है।

✶ यह आईएनएस विध्वंसक आकार और विनाश करने के मामले में एयरक्राफ्ट कैरियर्स के बाद दूसरे नंबर पर आते हैं।

विशेषताएं

✶ इस युद्धपोत का वजन फिलहाल 3,037 टन है, लेकिन आने वाले दिनों में इस पोत को अत्याधुनिक हथियारों और ताकतवर ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइलों से लैस किया जाएगा, तब इसका वजन 7,300 टन तक पहुंच सकता है।

✶ इसकी लंबाई 163 मीटर और चौड़ाई 17.4 मीटर है।

✶ चार गैस टरबाइन से चलने वाला यह पोत 30 नॉट की गति से आगे बढ़ सकता है। इसके अलावा एक साथ इस पर दो हेलिकॉप्टरों को तैनाती हो सकती है।

✶ आईएनएस इम्फाल न सिर्फ गाइडेड मिसाइलों को ध्वस्त कर सकता है बल्कि उन्हें चकमा भी दे सकता है।

✶ भारतीय नौसेना के पास फिलहाल 140 युद्धपोत, 220 एयरक्राफ्ट हैं और 32 युद्धपोतों का अभी निर्माण चल रहा है।

✶ आईएनएस इंफाल दुनिया के दूसरे देशों में निर्मित अपनी श्रेणी के युद्धपोतों को हर मामले में टक्कर देने में सक्षम है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

जीएसएलवी के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी

चर्चा में क्यों?

☞ केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जीयोसिंक्रोनस सेटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी दी। चौथे चरण के अंतर्गत 2021-24 की अवधि के दौरान 5 जीएसएलवी उड़ानें शामिल है।

मुख्य तथ्य

- जीएसएलवी कार्यक्रम- चरण 4 से जियो-इमेजिंग, नेवीगेशन, डेटा रिले कम्यूनिकेशन और स्पेस साइंस के लिए दो टन वर्ग के उपग्रहों को लॉन्च करने की क्षमता मिलेगी।
- इस मिशन के लिए कुल 2729.13 करोड़ रुपये की निधि की आवश्यकता होगी, जिसमें 5 जीएसएलवी व्हीकल, आवश्यक सुविधाओं में बढ़ोत्तरी, कार्यक्रम प्रबंधन और लॉन्च अभियान की लागत शामिल है।
- मौजूदा जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम की संभावनाओं के तहत अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होगी.

लाभ

- जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम-चरण 4-के जरिए महत्वपूर्ण उपग्रह नौवहन सेवाएं प्रदान करने, भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम और अगले मंगल अभियान के संबंध में डेटा रिले कम्यूनिकेशन संबंधी उपग्रहों की आवश्यकताएं पूरी करने में मदद मिलेगी। इससे घरेलू स्तर पर उत्पादन जारी रखना भी सुनिश्चित होगा।
- जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम- चरण 4 से प्रतिवर्ष दो उपग्रह लॉन्च करने की मांग पूरी होगी, जिसमें भारतीय उद्योग की सर्वाधिक भागीदारी होगी। सारी परिचालन उड़ानें 2021-24 की अवधि के दौरान पूरी हो जाएंगी।

पृष्ठभूमि

- जीएसएलवी से जीयोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) के सिलसिले में दो टन वर्ग के उपग्रहों को लांच करने के लिए अंतरिक्ष में स्वतंत्र पहुंच प्राप्त हो गई है। जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम का एक सर्वाधिक महत्वंपूर्ण परिणाम यह है कि अत्यंत जटिल क्रायोजेनिक प्रोपल्शन प्रौद्योगिकी में महारथ हासिल हुई है, जो जीटीओ में संचार उपग्रहों को लांच करने की प्रौद्योगिकी क्षमता के लिए बहुत जरूरी है। इससे उच्च ऊर्जा वाले क्रायोजेनिक इंजन के विकास तथा लांच व्हेकिल की अगली पीढ़ी यानी जीएसएलवी एमके-3 के चरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

स्रोत: पीआईबी

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

मिसाइल विध्वंसक आईएनएस रंजीत होगा सेवामुक्त

चर्चा में क्यों?

☞ भारतीय नौसेना द्वारा हाल ही में भारत के महत्वपूर्ण मिसाइल विध्वंसक आइएनएस रंजीत को सेवामुक्त करने की घोषणा की गई। आईएनएस रंजीत 6 मई 2019 को 36 साल की सेवा के बाद नौसेना डॉकयार्ड में भेज दिया जाएगा।

मुख्य तथ्य

✶ आईएनएस रंजीत कशिन वर्ग के पांच विध्वंसकों में से तीसरा है। इसका निर्माण सोवियत संघ ने किया था।

✶ इस जहाज की नींव 29 जून 1977 को रखी गई थी और इसे 16 जून 1979 को लॉन्च किया गया था।

✶ इसे आइएनएस रंजीत के रूप में 15 सितंबर 1983 में नौसेना में शामिल किया गया था।

✶ कैप्टन विष्णु भागवत इसके पहले प्रमुख थे। भागवत वर्ष 1996-98 तक नौसेनाध्यक्ष भी रहे थे।

✶ 'सदा रण जयते' ध्येय वाक्य वाले आइएनएस रंजीत ने देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाई और कई ऑपरेशनों में शामिल रहा है।

✶ भारतीय नौसेना के पास इस समय विभिन्न विध्वंसक जहाज हैं। आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि, आईएनएस चेन्नई, आईएनएस दिल्ली, आईएसएस मैसूर, आईएनएस मुंबई, आईएनएस राजपूत, आईएनएस रणविजय आदि।

स्रोतः द हिंदू

वैज्ञानिकों ने पहली बार ली ब्लैक होल की तस्वीर

चर्चा में क्यों?

☞ हाल ही में वैज्ञानिकों ने पहली बार ब्लैक होल का चित्र लिया। यह ब्लैक होल धरती से 5.4 करोड़ प्रकाश वर्ष (लगभग 9.5 लाख करोड़ किलोमीटर) दूर एम-87 गैलेक्सी में स्थित है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

उद्देश्य:

★ इस शोध का मुख्य उद्देश्य विभिन्न ब्लैक होल की नजदीक से जानकारी जुटाना है। वैज्ञानिकों को इस अध्ययन से जो जानकारी मिली है, उससे साल 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा दिया गया सापेक्षता का सिद्धांत और मजबूत हुआ है।

मुख्य तथ्य

★ यह उपलब्धि साल 2012 में शुरू किए गए इवेंट होराइजन टेलीस्कोप के शोध का नतीजा है।

★ इसके लिए शोध कार्य इवेंट होराइजन टेलिस्कोप (EHT) प्रोजेक्ट के तहत किया गया।

★ इवेंट होराइजन टेलिस्कोप (EHT) प्रोजेक्ट के तहत कई रेडियो टेलीस्कोप एंटीना को इस तरह जोड़ा गया ताकि वह एक टेलीस्कोप की तरह काम करें।

★ अप्रैल 2017 में स्पेन, मेक्सिको, चिली, हवाई, एरिजोना और अंटार्कटिका में स्थापित टेलीस्कोप की मदद से पहला डाटा मिला था। उसके बाद फ्रांस और ग्रीनलैंड के टेलीस्कोप भी इसका हिस्सा बन गए।

★ वैज्ञानिकों ने एम–87 गैलेक्सी में मौजूद ब्लैक होल की तस्वीर जारी की है, जो धरती से 5.4 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर है। इसका द्रव्यमान सूर्य से साढे छह अरब गुना है।

★ इसके अलावा वैज्ञानिकों ने हमारी आकाश गंगा के मध्य में स्थित एक ब्लैक होल सैगिटेरियस–ए का डाटा भी जुटाया है।

स्रोत: द हिंदू

दुनिया के सबसे बड़े विमान ने पहली बार उड़ान भरी

चर्चा में क्यों?

☞ दुनिया के सबसे बड़े विमान ने 13 अप्रैल 2019 को कैलिफोर्निया में परीक्षण के लिए पहली बार उड़ान भरी. इसका परीक्षण करीब ढाई घंटे तक मोजावे रेगिस्तान के ऊपर किया गया।

मुख्य तथ्य

★ इस विमान का निर्माण अंतरिक्ष में रॉकेट ले जाने और उसे वहां छोड़ने के लिए किया गया है।

★ स्ट्रैटोलॉन्च नामक दुनिया के सबसे विशाल विमान ने पहली बार उड़ान भरी और इस तरह से यह अंतरिक्ष में रॉकेट ले जाने वाला पहला विशाल विमान बन गया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

★ इस विमान को स्ट्रेटोलॉन्च नामक कंपनी ने बनाया है। इस कंपनी को दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक पॉल एलन ने साल 2011 में बनाया था।

★ इस विमान को वास्तव में सेटेलाइट के लॉन्च पैड के रूप में तैयार किया गया है। इस विमान का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में सेटेलाइट को छोड़ने से पहले 10 किलोमीटर तक उड़ना है।

★ इस विमान में दो एयरक्राफ्ट बॉडी हैं जो आपस में जुड़ी हैं। इसमें छह बोइंग 747 इंजन लगे हैं। यह विमान अपनी पहली उड़ान में 15 हजार फुट की ऊंचाई तक गया और इसकी अधिकतम गति 170 मील प्रति घंटा रही। विमान के पंखो की लंबाई करीब 385 फीट है।

★ इस विमान में 28 पहिए लगे हैं। यह विमान कार्बन फाइबर से बना है। इस विमान की ऊंचाई पचास फीट है। यह विमान होवर्ड ह्यूजेस के H&4 हर्क्युलिस और सोवियन दौर के कार्गो प्लेन एन्टोनोव एन-225 से भी बड़ा है। इसका वजन लगभग सवा दो लाख किलो है।

स्रोतः द हिंदू

भारत ने 2030 तक मलेरिया को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य रखा

चर्चा में क्यों?

☞ भारत ने साल 2027 तक मलेरिया मुक्त और साल 2030 तक मलेरिया को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य रखा है।

मुख्य तथ्य

★ भारत में हर साल लगभग 3 लाख से ज्यादा लोगों की मौत मलेरिया से हो जाती है। भारत ने मलेरिया से बचने के लिए इसे पूरी तरह से खत्म करने का लक्ष्य रखा है।

★ भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) को राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया था।

★ आईसीएमआर ने भारत से साल 2027 तक मलेरिया को मुक्त करने और साल 2030 तक मलेरिया को पूरी तरह से खत्म करने का लक्ष्य रखा है।

★ मलेरिया के खतरों को बताते हुए आईसीएमआर ने कहा कि मलेरिया से निपटने के लिए समय समय पर टेक्निकल, फाइनेंसशियल, ऑपरेशन और प्रशासनिक समस्याओं में उतार चढ़ाव देखे गए हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

* विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार साल 2018 के दौरान भारत में साल 2016 के मुकाबले साल 2017 में मलेरिया के मामलों में 24 फीसद की कमी पाई गई है।
* रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि मलेरिया पर नियंत्रण पाने के लिए भारत का खर्च दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे कम है।
* डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मलेरिया को खत्म करने के लिए व्यापक तरीका अपनाना होगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया को लेकर लोगों में जागरुकता फैलाने की अधिक आवश्यकता है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद

☞ भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, भारत में जैव-चिकित्सा अनुसंधान हेतु निर्माण, समन्वय और प्रोत्साहन के लिए शीर्ष संस्था है। यह विश्व के सबसे पुराने आयुर्विज्ञान संस्थानों में से एक हैं।

स्रोत: *द हिंदू*

स्कॉर्पीन क्लास की चौथी पनडुब्बी आइएनएस वेला लॉन्च

चर्चा में क्यों?

☞ भारतीय नौसेना ने हाल ही में चौथी स्कॉर्पीन पनडुब्बी आइएनएस वेला को मुंबई के मजगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) में लॉन्च किया।

मुख्य तथ्य

* इससे पहले जनवरी 2019 में नौसेना ने करंज को लॉन्च किया था। इस पनडुब्बी के आने से देश की नौसेना की ताकत में काफी इजाफा होगा।
* पनडुब्बी की बंदरगाह और समुद्र में कठिन परीक्षण और जांच की जायेगी, उसके बाद ही इसे भारतीय नौसेना को सौंपा जायेगा।

पनडुब्बी 'वेला' :

* भारत कुल 6 स्कॉर्पीन पनडुब्बियों को पानी में उतारने वाला है जिनमें से 'वेला' चौथी है।
* बाकी बची दो पनडुब्बियां, आइएनएस वागीर और आइएनएस वागशीर पर काम चल रहा है और जल्द ही इन्हें भी समुद्र में उतारा जाएगा।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

★ रक्षा मंत्रालय के इस महत्वाकांक्षी सामरिक साझेदारी मॉडल के तहत नौसेना के लिए छह अत्याधुनिक पनडुब्बियां हासिल करने में लगभग 45 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी।

★ इन कंपनियों में अडानी डिफेंस, लार्सन एंड टुब्रो और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड शामिल हैं।

स्कॉर्पीन श्रेणी

★ स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां डीजल-इलेक्ट्रिक से चलने वाली पनडुब्बियों का एक वर्ग है।

★ स्कॉहर्पिन वर्ग की छह पनडुब्बियों के निर्माण और तकनीक हस्तांनतरण के लिए फ्रांस की कंपनी नेवल ग्रुप को सहयोगी कंपनी के रूप में ठेका दिया गया है और इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड कर रही है।

★ यह डीजल प्रपल्शन और एक अतिरिक्त एयर-इंडिपेंडेंट प्रपल्शन (एआईपी) होता है।

★ इस क्लास की पनडुब्बी विभिन्न प्रकार के मिशन में हिस्सा ले सकती है जिसमें एंटी सर्फेस वॉर, एंटी सबमरीन वॉर, इंटेलीजेंस गैदरिंग, माइन लगाना आदि शामिल हैं।

★ स्कॉलर्पिन वर्ग की पनडुब्बियां किसी आधुनिक पनडुब्बी के सभी कार्य करने में सक्षम है, जिसमें एंटी-सर्फेस और एंटी-सबमरीन युद्ध शामिल है।

★ स्कॉर्पिन परियोजना तथा तकनीकी हस्तांतरण के अनुभव और उन्नयत इन्फ्रॉस्ट्रिक्चथर के साथ एमडीएल भविष्यक में और पनडुब्बीत निर्माण का कार्य करने को तैयार है।

★ सभी पनडुब्बियां 67.50 मीटर लंबी और 12.30 मीटर ऊंची हैं. पानी के अंदर 37 किलोमीटर प्रति घंटे (20 समुद्री मील) और पानी के ऊपर 20 किलोमीटर प्रति घंटे (11 समुद्री मील) की रफ्तार से ये सफर कर सकती हैं।

★ यें 35 नाविकों और आठ अधिकारियों के चालक दल को साथ ले जाने में सक्षम हैं, और ये 50 दिनों तक समुद्र में रह सकती हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

मझगांव डॉक शिपबिल्ड र्स लिमिटेड (एमडीएल):

☞ मझगांव डॉक शिपबिल्ड र्स लिमिटेड (एमडीएल) भारत की प्रमुख जहाज निर्माण कंपनी है जो भारतीय नौसेना की जरूरतों को पूरा करती है। अभी एमडीएल में 8 युद्ध पोत और 5 पनडुब्बियों का निर्माण कार्य चल रहा है। एमडीएल के अध्यरक्ष और प्रबंध निदेशक कमोडोर राकेश आनंद हैं।

स्रोत: द हिंदू

वरुण–19 नौसेनिक युद्धाभ्यास

चर्चा में क्यों?

☞ भारत और फ्रांस के मध्य मई 2019 में वरुण–19 नौसैनिक युद्धाभ्यास आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न परिस्थितियों में कुशलतापूर्वक एवं संयम के साथ पराक्रम दिखाने पर नौसेना द्वारा अभ्यास किया जायेगा।

☞ भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त नौसेनिक युद्धाभ्यास श्वरुण–2018, 19 मार्च 2018 को गोवा के वास्को डी गामा स्थित मार्मागोवा पोर्ट ट्रस्ट पर आयोजित किया गया था। यह युद्धाभ्यास गोवा के तट से दूर, अरब सागर में आयोजित किया गया था।

मुख्य तथ्य

★ इस अभ्यास में भारत मिग–29– लड़ाकू विमानों के साथ अपने एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य का उपयोग करेगा।

★ फ्रांस की ओर से इस अभ्यास में एयरक्राफ्ट कैरियर FNS चार्ल्स डी गॉल तथा राफेल–एम नैवेल जेट्स हिस्सा लेंगे।

★ इस अभ्यास में फ्रांस की ओर से FNS फोर्बिन, FNS प्रोवेंस, FNS लातूशे त्रेविल, परमाणु पनडुब्बी, FNS अमेथिस्ट, टैंकर FNS मारने इत्यादि हिस्सा ले रहे हैं।

★ भारत की ओर से इस अभ्यास में डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बी आईएनएस शंकुल, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस चेन्नई, स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तरकश, टैंकर आईएनएस दीपक, P-81 लम्बी दूरी का गश्ती एयरक्राफ्ट तथा डोर्नियर–228 विमान हिस्सा ले रहे हैं।

★ वरुण एक उच्च स्तरीय नौसैनिक अभ्यास है, इसमें पनडुब्बी रोधी अभ्यास का आयोजन भी किया जाएगा।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

भारतीय नौसेना-वियतनाम पीपुल्स नौसेना द्विपक्षीय अभ्यास का दूसरा संस्करण संपन्न

चर्चा में क्यों?

☞ भारतीय नौसेना ने 13 अप्रैल से 16 अप्रैल 2019 को कैम रण खाड़ी, वियतनाम में भारतीय नौसेना और वियतनाम पीपुल्स नेवी के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास का दूसरा संस्करण शुरू किया.

मुख्य तथ्य

✶ यह अभ्यास दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में पूर्वी बेड़े के जहाजों की विदेशी तैनाती के एक भाग के रूप में किया गया था।

✶ भारतीय नौसेना-वियतनाम पीपुल्स नेवी द्विपक्षीय अभ्यास आपसी विश्वास और अंतर-संचालन को और मजबूत करने के साथ-साथ भारतीय और वियतनाम पीपुल्स नेवी के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

✶ वार्षिक आधार पर द्विपक्षीय अभ्यास आयोजित करने से दोनों देशों के मौजूदा मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

✶ नौसेना से नौसेना सहयोग में पनडुब्बी, विमानन और डॉकयार्ड प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल है।

✶ दोनों देशों ने व्हाइट शिपिंग सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और एक 'सूचना साझाकरण' कार्यक्रम चलाया है।

भारत-वियतनाम सम्बन्धः

☞ भारत और वियतनाम के बीच अत्यन्त मधुर द्विपक्षीय सम्बन्ध हैं। दोनों देशों के बीच के सांस्कृतिक और आर्थिक सम्बन्ध तो द्वितीय शताब्दी से भी पुराने हैं। भारतीय संस्कृति से ओत प्रोत चम्पा राज्य के संगीत ने वियतनाम की संगीत पर अमिट छाप छोड़ी है। वर्तमान समय में भारत और वियतनाम के सम्बन्ध अत्यन्त प्रगाढ़ हैं और आपसी राजनैतिक महत्व के अनेक क्षेत्रों को समेटे हुए हैं।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

नासा ने पहली बार मंगल पर भूकंपीय संकेतों का पता लगाया

चर्चा में क्यों?

☞ नासा द्वारा प्रक्षेपित रोबोटिक लैंडर 'इनसाइट' के भूकंपमापी यंत्र 'साइस्मिक एक्सपेरिमेंट फॉर इंटीरियर स्ट्रक्चर' (एसईआईएस) ने मंगल पर कमजोर भूकंपीय संकेतों का पता लगाया।

मुख्य तथ्य

✶ इनसाइट का 6 अप्रैल 2019 को मंगल पर 128वां दिन था। वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर मानव बस्तीस बसाने पर शोध कर रहे हैं।

✶ नासा के अनुसार शायद ग्रह के भीतर से भूकंपीय संकेत मिले हैं और ऐसा पहली बार हुआ है। इससे पहले सतह के ऊपर के वायु जैसे कारकों के कारण भूकंपीय संकेत मिलते थे। वैज्ञानिकों ने इस कंपन को 'मार्सक्वेक' नाम दिया है।

✶ अमेरिका में नासा की 'जेट प्रपल्शन लैबरटरी' ने कहा की इनसाइट से मिली पहली जानकारियां नासा के अपोलो मिशन से शुरू हुए विज्ञान को आगे बढ़ाती हैं।

इनसाइट

✶ पृथ्वी की तरह मंगल पर आए इस भूकंप से ग्रह की अंदरूनी जानकारी का खुलासा किया जा सकता है।

✶ 'इनसाइट' 26 नंबवर 2018 को मंगल ग्रह पर उतरा था। इस रोबोट को विशेष रूप से मंगल ग्रह के अध्ययन के लिए डिजाइन किया गया है।

✶ यह ग्रह के तापमान, रोटेशन और भूकंपीय गतिविधि के माप लेने के लिए कई उपकरणों से लैस है। इस घटनाक्रम ने मंगल पर भूकंप विज्ञान के आधिकारिक रूप से एक नया क्षेत्र खोल दिया है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

भारत और सिंगापुर के बीच 'बोल्ड कुरुक्षेत्र' युद्ध अभ्यास का समापन

चर्चा में क्यों?

☞ भारत और सिंगापुर के बीच 12वां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'बोल्ड कुरूक्षेत्र-2019' 11 अप्रैल 2019 को सम्पन्न हुआ।

उद्देश्य:

✶ इस युद्ध अभ्यास का आयोजन दोनों देशों के बीच सैन्य टेक्नोलॉजी, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया। इस युद्ध अभ्यास के द्वारा दोनों देश आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को और भी मजबूती देंगे।

मुख्य तथ्य

✶ इस अवसर पर सैन्य परंपराओं के अनुरूप आयोजित परेड की कमान दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य अधिकारियों ने किया।

✶ भारतीय सैन्य और सिंगापुर सशस्त्र बलों के बीच मौजूदा रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए 29 नवंबर 2017 को संशोधित रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था।

✶ इसी समझौते के तहत सिंगापुर की सेना भारतीय सेना के साथ मिलकर प्रशिक्षण और फायरिंग अभ्यास की।

✶ भारत और सिंगापुर ने साल 2003 में सैन्य सहयोग बढ़ाने, संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण आयोजित करने, सैन्य प्रौद्योगिकी विकसित करने व समुद्री सुरक्षा हासिल करने पर एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

✶ दोनों देशों ने संयुक्त रूप से आतंकवाद से लड़ने में अपने सहयोग का विस्तार किया है।

भारत-सिंगापुर संबंध:

✶ भारत-सिंगापुर का लम्बे समय से सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक संबंध है। भारत गणराज्य और सिंगापुर गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंध परंपरागत रूप से मजबूत और मैत्रीपूर्ण रहे हैं।

✶ भारत और सिंगापुर ने व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) और सामरिक संबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, और समुद्री सुरक्षा, प्रशिक्षण बलों, संयुक्त नौसेना अभ्यास, सैन्य प्रौद्योगिकी विकसित करने और आतंकवाद से लड़ने पर द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार किया है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

मलेरिया का पहला टीका लॉन्च

चर्चा में क्यों?

☞ विश्व का पहला मलेरिया का टीका अफ्रीकी देश मलावी में लॉन्चे कर दिया गया है।

मुख्य तथ्य

✶ इस जानलेवा बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए पिछले 30 साल से इस टीके को लाने के प्रयास किए जा रहे थे।

✶ यह टीका पांच महीने से दो साल तक के बच्चों के लिए है। यह टीका बच्चों के प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करेगा जिससे मलेरिया के परजीवी का उन पर घातक असर नहीं होगा।

✶ यह टीका प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ भी काम करता है। चिकित्सक, प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम को दुनिया भर में सबसे घातक मलेरिया का परजीवी मानते हैं।

✶ अफ्रीका महाद्वीप पर इस परजीवी का सर्वाधिक प्रकोप है।

भारत में मलेरिया

✶ राष्ट्रीय वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनवीबीडीसीपी) के अनुसार, भारत में साल 2016 के दौरान मलेरिया के 1,090,724 मामले दर्ज किये गए और इससे 331 मौतें हुईं।

✶ इस बीमारी से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को मरने का सबसे ज्यादा खतरा होता है।

स्रोतः द हिंदू

नासा ने सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसा पहला ग्रह खोजा

चर्चा में क्यों?

☞ नासा ने हाल ही में सौरमंडल के बाहर पृथ्वी के आकार का ग्रह खोजा है। यह ग्रह धरती से 53 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक तारे की परिक्रमा कर रहा है।

मुख्य तथ्य

✶ इस ग्रह को नासा के ट्रांजिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सेटेलाइट (टीईएसएस) ने खोजा है।

✶ यह ग्रह अपने तारे की काफी नजदीक से परिक्रमा कर रहा है इसलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि यह ग्रह रहने योग्य नहीं हो पाएगा।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

★ यह नया खोजा गया ग्रह तारे की एक परिक्रमा पृथ्वी के 7.8 दिनों में पूरा करता है। टेस पिछले एक साल से ही काम कर रहा है लेकिन उम्मीद की जा रही है कि यह केप्लर स्पेस टेक्नॉलजी से बेहतर साबित होगा।

★ केप्लर अब तक सौरमंडल के बाहर कुल 2500 ग्रहों की खोज कर चुका है। जो कि सौरमंडल के बाहर खोजे गए कुल ग्रहों का लगभग 70 प्रतिशत है।

खोजे गए ग्रहः

★ टीईएसएस ने अब तक दो ग्रह खोजे हैं। इन्हें एचडी 21749बी और एचडी 21749 सी नाम दिया गया है। इन ग्रहों के तारे का द्रव्यमान सूरज के 80 फीसदी के बराबर है।

★ एचडी 21749बी अपने तारे की 36 दिन में परिक्रमा पूरी कर लेता है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी से 23 गुना और रेडियस पृथ्वी से 2.7 गुना है।

★ दूसरा ग्रह एचडी 21749सी का आकार लगभग पृथ्वी के बराबर है। यह अपने तारे की आठ दिन में परिक्रमा पूरी करता है।

स्रोतः द हिंदू

सब-सोनिक क्रूज मिसाइल 'निर्भय' का सफल परीक्षण

चर्चा में क्यों?

☞ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश में विकसित लम्बी दूरी तक मार करने वाले सब-सोनिक क्रूज मिसाइल 'निर्भय' का 15 अप्रैल 2019 को चांदीपुर ओडिशा स्थित परीक्षण स्थल से सफल परीक्षण किया।

निर्भय मिसाइल की विशेषताएं

★ निर्भय मिसाइल 300 किलोग्राम तक के परमाणु वारहेड को अपने साथ ले जा सकती है.

★ निर्भय दो चरण वाली, छह मीटर लंबी और 0.52 मीटर चौड़ी मिसाइल है।

★ यह मिसाइल 0.6 से लेकर 0.7 मैक की गति से उड़ सकती है।

★ इसका प्रक्षेपण वजन अधिकतम 1500 किलोग्राम है जो 1000 किलोमीटर तक मार कर सकती है।

★ इसमें एडवांस सिस्टम लेबोरेटरी द्वारा विकसित ठोस रॉकेट मोटर बूस्टर का प्रयोग किया गया है जिससे मिसाइल को ईंधन मिलता है।

★ यह मिसाइल क्षमता में अमेरिका के प्रसिद्ध टॉमहॉक मिसाइल के बराबर है। इस मिसाइल की सटीकता काफी ज्यादा मानी जाती है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

सीएसआईआर द्वारा जीनोम का अनुक्रमण करने की योजना

चर्चा में क्यों?

☞ वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा एक परियोजना के अंतर्गत भारत के युवा छात्रों के जीनोम का अनुक्रमण किये जाने की योजना तैयार की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य जीनोमिक्स की उपयोगिता के बारे में छात्रों की अगली पीढ़ी को शिक्षित करना हैं

☞ दरअसल सरकारी नेतृत्व में जीनोम अनुक्रमण में चलाई जा रही परियोजना के अंतर्गत लगभग 10,000 भारतीय लोगों के जीनोम को अनुक्रमित किया जाना तय किया गया है, यह परियोजना इसी क्रम का हिस्सा होगी।

मुख्य तथ्य

★ सीएसआईआर द्वारा आरंभ इस परियोजना के तहत लगभग 1,000 ग्रामीण युवाओं का जीनोम सैम्पल एकत्र करके स्वदेशी जेनेटिक मैपिंग द्वारा इनके जीनोम का अनुक्रमण किया जाएगा।

★ वैश्विक स्तर पर कई देशों ने रोगों की पहचान एवं उपचार के लिये अद्वितीय आनुवंशिक लक्षणों तथा संवेदनशीलता आदि का निर्धारण करने हेतु अपने देश के नागरिकों के सैम्पल का जीनोम अनुक्रमण किया है।

★ भारत में पहली बार इतने बड़े स्तर पर विस्तृत अध्ययन के लिये जीनोम सैम्पल एकत्र किया जा रहा है।

★ आमतौर पर जीनोम-सैम्पल का संग्रह देश की जनसंख्या विविधता के प्रतिनिधियों का किया जाता था लेकिन इस बार ऐसे लोगों का सैम्पल लिया जा रहा है जो कॉलेज के छात्र (पुरुष और महिला दोनों) तथा जैविक विज्ञान या जीव विज्ञान के छात्र हैं।

जीनोम क्या है?

★ आणविक जीव विज्ञान के अनुसार जीन वह आनुवंशिक पदार्थ है, जिसके माध्यम से जीवों के गुण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुँचते हैं।

★ किसी भी जीव के डीएनए में विद्यमान समस्त जीनों का अनुक्रम जीनोम (Genome) कहलाता है।

★ मानव जीनोम में अनुमानत: 80,000-1,00,000 तक जीन होते हैं. जीनोम के अध्ययन को जीनोमिक्स कहा जाता है।

★ जीनो9 परियोजना वह वैज्ञानिक परियोजना है, जिसका लक्ष्य किसी प्राणी के संपूर्ण जीनोम अनुक्रम का पता करना है।

★ अमेरिका के ऊर्जा विभाग (यूएसडीई) तथा नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) की भागीदारी से, वर्ष 1988 में मानव जीनोम परियोजना प्रारंभ हुई।

★ इसका औपचारिक शुभारंभ 1990 में हुआ था। बाद में इसने विश्वव्यापी रूप धारण कर लिया। मौजूदा समय में अठ्ठारह देशों की लगभग 250 प्रयोगशालाएं इसमें सम्मिलित हैं।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

ओडिशा के कंधमाल हल्दी को जीआई टैग प्रदान किया गया

चर्चा में क्यों?

☞ ओडिशा की कंधमाल हल्दी को विशिष्ट भौगोलिक पहचान के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया। कंधमाल की लगभग 15 प्रतिशत आबादी हल्दी की खेती से जुड़ी हुई है। जीआई टैग प्राप्त हो जाने से इसे विश्व बाजार में एक स्वतंत्र स्थान मिल जायेगा।

कंधमाल हल्दी की विशेषता

✶ कंधमाल हल्दी स्वास्थ्य के लिए काफी उपयोगी मानी जाती है। यह कंधमाल के जनजातीय लोगों की प्रमुख नकदी फसल है। इस हल्दी का उपयोग घरेलु के अतिरिक्त सौन्दर्य उत्पादों तथा औषधीय कार्यों के लिए भी किया जाता है।

✶ इस हल्दी की मुख्य खासियत यह है कि इसके उत्पादन में किसानों द्वारा किसी तरह के कीटनाशक का प्रयोग नहीं किया जाता है। स्थानीय लोग ही नहीं शासन तंत्र भी कंधमाल हल्दी को स्वतंत्रता का प्रतीक यानी अपनी उपज मानता है।

भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग)

✶ जीआई टैग अथवा भौगोलिक चिन्ह किसी भी उत्पाद के लिए एक चिन्ह होता है जो उसकी विशेष भौगोलिक उत्पत्ति, विशेष गुणवत्ता और पहचान के लिए दिया जाता है और यह सिर्फ उसकी उत्पत्ति के आधार पर होता है।

✶ ऐसा नाम उस उत्पाद की गुणवत्ता और उसकी विशेषता को दर्शाता है।

✶ दार्जिलिंग चाय, महाबलेश्वर स्ट्रोबैरी, जयपुर की ब्लूपोटेरी, बनारसी साड़ी और तिरूपति के लड्डू कुछ ऐसे उदाहरण है जिन्हें जीआई टैग मिला हुआ है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'फानी'

चर्चा में क्यों?

☞ चक्रवाती तूफान फानी हाल ही में ओडिशा तट पर पहुंच गया। 'फानी' का नामकरण बांग्लादेश ने किया है।

☞ इससे पहले अक्टूबर 2018 में आए चक्रवाती तूफान 'तितली' ने ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई थी।

मुख्य तथ्य

★ इस दौरान हवा की गति 175-185 किलोमीटर प्रति घंटे से 205 किलोमीटर प्रति घंटे तक होने की संभावना है।

★ ओडिशा सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर 11 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है।

★ फानी तूफान को इसलिए भीषण माना जा रहा है क्योंकि हाई टाइड के वक्त समंदर का स्तर पूर्वी तट के लिए आमतौर पर 7 मीटर तक ऊपर चढ़ जाता है।

★ ऐसे में अति भीषण चक्रवाती तूफान की वजह से समंदर की लहरों में डेढ़ मीटर का और ज्यादा उछाल आने का अंदेशा है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्या है?

★ उष्णकटिबंधीय चक्रवात एक तूफान प्रणाली है जो एक विशाल निम्न दबाव केंद्र और भारी तड़ित-झंझावातों द्वारा चरितार्थ होती है और जो तीव्र हवाओं और घनघोर वर्षा को उत्पन्न करती है।

★ उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति तब होती है जब नम हवा के ऊपर उठने से गर्मी पैदा होती है, जिसके फलस्वरूप नम हवा में निहित जलवाष्प का संघनन होता है।

★ वे अन्य चक्रवात आंधियों जैसे नोरश्ईस्टर, यूरोपीय आंधियों और ध्रुवीय निम्न की तुलना में विभिन्न ताप तंत्रों द्वारा उत्पादित होते हैं।

चक्रवाती तूफानों के नाम कैसे रखे जाते हैं?

★ 2004 में हिंद महासागर क्षेत्र के आठ देशों ने भारत की पहल पर चक्रवातीय तूफानों को नाम देने की व्यवस्था शुरू की।

★ भारत के अलावा इनमें बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार, मालदीव, श्रीलंका, ओमान और थाईलैंड शामिल हैं।

★ इन देशों ने 64 नामों की सूची बनाई. हर देश की तरफ से आठ नाम थे। अब चक्रवात विशेषज्ञों का पैनल हर साल मिलता है और जरूरत पड़ने पर यह सूची फिर से भरी जाती है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

महाराष्ट्र में इंटरेक्टिव बर्ड पार्क लॉन्च किया गया

चर्चा में क्यों?

☞ हाल ही में महाराष्ट्र के मुंबई के गोराई में एस्सेल वर्ल्ड ने एक इंटरेक्टिव बर्ड पार्क (स्वतंत्र पक्षी विहार) लॉन्च किया है। यह बर्ड पार्क अपनी तरह का पहला पक्षी विहार है जहां लोग पक्षियों को छू सकते हैं तथा उनके बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

☞ इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसा बर्ड पार्क स्थापित करना है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करता हो। पक्षियों के लिये उपयुक्त रहने की स्थिति सुनिश्चित करने के लिये पार्क को बेहद सावधानीपूर्वक बनाया गया है, ताकि इससे विभिन्न प्रकार के पक्षियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जा सके।

मुख्य तथ्य

✶ लगभग 1.4 एकड़ क्षेत्र में फैला अपनी तरह का पहला वर्षावन-थीम वाला पार्क 60 से अधिक प्रजातियों के 500 से अधिक विदेशी पक्षियों का घर है।

✶ इस पार्क में जलीय पक्षियों के लिये छोटे तालाब बनाए गए हैं तथा उनके प्रजनन की विशेष व्यवस्था की गई है।

✶ पक्षियों के लिये पीने के पानी की व्यवस्था के साथ इसमें एक विशेष पक्षी-रसोई और स्वास्थ्य सेवा केंद्र भी है।

✶ पक्षियों के खानपान के लिए खास शेफ को रखा गया है। इसके साथ ही पक्षियों के लिए एक खास हेल्थ सेंटर बनाया गया है।

✶ इस पार्क की खास बात यह भी है कि यहां सभी पक्षियों की जानकारी उनके पैरों में मिलेगी।

✶ सभी पक्षियों के पैरों में एक खास तरह का छल्ला पहनाया गया है, जिसमें उनसे संबंधित सभी जानकारी लिखी हुई है। जैसे पक्षी का नाम, कहां से आया है, आदि।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

ब्रिटेन जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला पहला देश बना

चर्चा में क्यों?

☞ ब्रिटेन की संसद ने हाल ही में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन को लेकर आपातकाल घोषित कर दिया है। ब्रिटेन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

आपातकाल क्यों?

★ संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से होने वाली तबाही से बचने के लिए सिर्फ बारह साल रह गए हैं।

★ यदि इस समस्या का समाधान जल्दी नहीं किया गया तो धरती पर तबाही आ जाएगी।

★ जलवायु आपातकाल की कोई सटीक परिभाषा नहीं है। लेकिन इस कदम को जलवायु और पर्यावरण पर महत्वपूर्ण उपायों के साथ जोड़ा गया है।

★ ब्रिटेन सरकार ने कानून तौर पर ये निर्णय लिया है कि साल 2050 तक वो 80 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन को कम कर देगा।

★ ब्रिटेन उन 18 विकसित देशों में एकमात्र ऐसा देश है जिसने पिछले एक दशक में सबसे कम कार्बन उत्सर्जन किया है।

जलवायु परिवर्तन क्या है?

★ औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान साल दर साल बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आइपीसीसी) की रिपोर्ट ने पहली बार इससे आगाह किया था।

★ जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। गर्मियां लंबी होती जा रही हैं, और सर्दियां छोटी. प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और प्रवृत्ति बढ़ चुकी है। ऐसा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से हो रहा है।

★ जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में वैज्ञानिक लगातार आगाह करते आ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में, मानवजनित गतिविधिया जोकि जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं।

★ जलवायु परिवर्तन के साक्ष्य कई प्रकार के स्रोतों से उपलब्ध होते हैं जिन्हें पुराकालीन जलवायवीय दशाओं के विवेचन के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आइपीसीसी)

★ आईपीसीसी जलवायु परिवर्तन के आकलन के लिए बनाई गई एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है।

★ इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यकम तथा विश्व मौसमविज्ञान संगठन द्वारा साल 1988 में की गई थी।

★ इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है। वर्तमान में विश्व के 195 देश इसके सदस्य हैं।

★ इसमें विश्व के विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों के समूह कार्य करता हैं, वे जलवायु परिवर्तन का नियमित आकलन करते हैं।

★ प्रत्येक 5-6 वर्ष उपरांत आईपीसीसी जलवायु परिवर्तन पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।

स्रोतः द हिंदू

माउंट एवरेस्ट से 3,000 किलोग्राम कचरा हटाया गया

चर्चा में क्यों?

☞ नेपाल में सफाई अभियान के तहत माउंट एवरेस्ट से करीब 3,000 किलोग्राम ठोस कचरा हटाया गया है।

मुख्य तथ्य

★ इस अभियान का उद्देश्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी से कचरे को को हटाना है जो कूड़ेदान में बदलती जा रही है।

★ नेपाल सरकार द्वारा 45 दिन के इस अभियान की शुरुआत 14 अप्रैल को नेपाली नववर्ष के दिन हुई।

★ इसका मुख्य लक्ष्य माउंट एवरेस्ट से करीब 10,000 किलोग्राम कचरा हटाना है।

पृष्ठभूमिः

★ सरकार ने एवरेस्ट को साफ रखने के लिए पहले भी प्रयास किए हैं। साल 2014 में कानून बनाया गया था कि जो भी पर्वतारोही एवरेस्ट पर जाएगा, वह नीचे आते समय कम से कम 8 किलो सॉलिड वेस्ट अपने साथ लेकर आएगा। सरकार की कोशिश थी कि एक पवर्तरोही जितना कूड़ा फैलाए, कम से कम उतना तो वह नीचे लेकर आ जाए।

★ एवरेस्ट में जो कूड़ा मिला है, उसे या तो पर्वतारोही वहां पहुंचा रहे हैं, या फिर ऊंचे क्षेत्रों में काम करने वाले कुली. समय-समय पर शेरपा भी एवरेस्ट का भ्रमण करते हैं, उनसे भी कूड़ा वहां पहुंच रहा है।

★ इस अभियान में नागरिक उड्डयन, पर्यटन व संस्कृति मंत्रालय, नेपाल की सेना, पर्यावरण मंत्रालय, नेपाल पर्वतारोहण एसोसिएशन, सागरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति और नेपाल पर्यटन बोर्ड का सहयोग लिया जा रहा है।

स्रोतः द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

वायु प्रदूषण से जीवन प्रत्याशा 20 महीने कम हुई: ग्लोबल रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

☞ अमेरिका के दो संस्थान हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट (HEI) एवं इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (IHME) ने हाल ही में विश्व भर में वायु की गुणवत्ता से सम्बंधित रिपोर्ट जारी की. इस रिपोर्ट का शीर्षक है – स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर–2019. रिपोर्ट के अनुसार भारत और चीन में विश्व भर में वायु प्रदूषण से होने वाली 5 मिलियन मौतों का 50% मौजूद है।

मुख्य तथ्य

✶ भारत में घरेलू प्रदूषण के लिए पीएम 2.5 के मुख्य स्रोतों में कंस्ट्रक्शन से उड़ने वाली धूल, ईंधन के रूप में जलावन का उपयोग, औद्योगिक कल–कारखानों में कोयले का उपयोग, डीजल आधारित इंजन एवं अन्य बहुत से कारण उत्तरदायी हैं।

✶ वर्ष 2017 में भारत में 846 मिलियन तथा चीन में 452 मिलियन लोग घरेलू प्रदूषण का शिकार हुए हैं।

✶ रिपोर्ट में पाया गया है कि वायु प्रदूषण के कारण ही टाइप–2 डायबिटीज तेजी से बढ़ती है तथा इसके रोगियों को अधिक नुकसान होता है।

✶ रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्वास्थ्य संबंधी खतरों से होने वाली मौतों का तीसरा सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण और इसके बाद धूम्रपान है।

✶ रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत सरकार द्वारा प्रदूषण से निपटने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, घरेलू एलपीजी कार्यक्रम, स्वच्छ वाहन मानक और नया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम से आने वाले वर्षों में लोगों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

वैश्विक परिदृश्य

✶ रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 2017 में सबसे अधिक 2.5 हानिकारक अवयव पाए गये हैं. इनमें भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल सबसे अग्रणी देश हैं।

✶ रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि यदि प्रदूषण इसी प्रकार बरकरार रहता है तो जीवन प्रत्याशा 20 महीने कम हो जाएगी।

✶ दक्षिण एशिया में भूटान में सबसे कम प्रदूषण पाया गया लेकिन यहां पाया गया 2.5 मानक तयशुदा मानक से अधिक था।

✶ विकसित देशों में ओजोन परत को होने वाला नुकसान आज भी एक चुनौती है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

धरती की सतह का तापमान तेजी से बढ़ रहा है: नासा

चर्चा में क्यों?

☞ नासा के अध्ययनकर्मियों द्वारा उपग्रह के जरिए किए गए आकलन ने उन आंकड़ों की पुष्टि की है जिससे पता चला है कि पिछले 15 साल में पृथ्वी की सतह गरम हुई है।

☞ अध्ययनकर्मियों ने साल 2003 से साल 2007 तक उपग्रह आधारित इन्फ्रारेड मेजरमेंट सिस्टम एआईआरएस (ऐटमॉसफेरिक इन्फ्रा रेड साउन्डर) के जरिए प्राप्त धरती के तापमान का आकलन किया।

मुख्य तथ्य

★ यह अध्ययन पत्रिका इनवायरनमेंटल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित हुआ. पिछले 15 साल में दोनों डाटा संग्रह के बीच काफी समानता देखने को मिली।

★ अमेरिका में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के जोएल सुसकिंड ने कहा कि एआईआरएस डेटा ने जीआईएसटीईएमपी के लिए पूरक रहा क्योंकि जीआईएसटीईएमपी की तुलना में इसका दायरा ज्यादा रहा और इसने समूची दुनिया को कवर किया।

★ डेटा के दोनों सेट से पता चला कि धरती की सतह इस अवधि में गर्म हुई और 2016,2017 और 2015 क्रम से सबसे गर्म साल रहा।

★ एआईआरएस डेटा समुद्र, भूमि और बर्फ से ढके क्षेत्र में सतह के तापमान को दर्शाता है।

★ शोध के नतीजों के आधार पर नासा से जुड़े एक अन्य वैज्ञानिक ने कहा कि इससे जाहिर होता है कि तापमान में बढ़ोतरी काफी पहले से होती रही है।

नासा

★ नासा संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार की शाखा है जो देश के सार्वजनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों व एरोनॉटिक्स व एरोस्पेस संशोधन के लिए जिम्मेदार है।

★ फरवरी 2006 से नासा का लक्ष्य वाक्य 'भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण, वैज्ञानिक खोज और एरोनॉटिक्स संशोधन को बढ़ाना' है।

★ नासा का गठन नैशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस अधिनियम के अंतर्गत 19 जुलाई 1948 में इसके पूर्वाधिकारी संस्था नैशनल एडवाइजरी कमिटी फॉर एरोनॉटिक्स (एनसीए) के स्थान पर किया गया था।

★ इस संस्था ने 01 अक्टूबर 1948 से कार्य करना शुरू किया। तब से आज तक अमेरिकी अंतरिक्ष अन्वेषण के सारे कार्यक्रम नासा द्वारा संचालित किए गए हैं जिनमे अपोलो चन्द्रमा अभियान, स्कायलैब अंतरिक्ष स्टेशन और बाद में अंतरिक्ष शटल शामिल है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

पृथ्वी दिवस: 22 अप्रैल

चर्चा में क्यों?

☞ पूरे विश्व में 22 अप्रैल 2019 को पृथ्वी दिवस मनाया गया. पृथ्वी को संरक्षण प्रदान करने के लिए और सारी दुनिया से इसमें सहयोग और समर्थन करने के लिए पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

मुख्य तथ्य

★ इस दिन पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया जाता है। इस साल पृथ्वी दिवस की थीम "प्रोटेक्ट द स्पीशीज" यानि संततियों को बचाएं है।

★ इसके तहत पेड़-पौधों और जंगली जीवों को मानवीय क्रिया-कलापों से होने वाले खतरों के बारे में आगाह कर उनकी सुरक्षा करना है।

★ 22 अप्रैल 1970 को आयोजित सबसे पहले पृथ्वी दिवस में लगभग 20 मिलियन अमेरिकी लोगों ने हिस्सा लिया था।

पृथ्वी दिवस

★ पृथ्वी दिवस दुनिया भर में सबसे बड़े स्तर पर मनाया जाने वाले नागरिक कार्यक्रम है।

★ दुनिया भर में पृथ्वी दिवस करीब एक अरब लोग प्रति वर्ष मनाते हैं।

★ पहले पृथ्वी दिवस को 'यूनाइटेड स्टेट्स एनवॉयरमेंट प्रोटेक्शन एजेंसी' की स्थापना हुई और क्लीन एयर, क्लीन वाटर एंड एंडेंजर्ड स्पीसेज (स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल और लुप्तप्राय जीव) से जुड़े कानून को स्वीकृति दी गई।

★ पूरे विश्वभर में जरूरी क्षेत्रों में नये पौधे को लगाने के आम कार्य के साथ पृथ्वी दिवस कार्यक्रम को मनाने की शुरुआत हुई।

पृथ्वी दिवस के बारे में:

★ पृथ्वी दिवस को पहली बार वर्ष 1970 में मनाया गया था।

★ इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना है।

★ पृथ्वी के पर्यावरण के बारे में प्रशंसा और जागरूकता को प्रेरित करने के लिए पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

★ पृथ्वी दिवस की स्थापना वर्ष 1970 में अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन के द्वारा एक पर्यावरण शिक्षा के रूप में की गयी, और इसे कई देशों में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

केरल में मकड़ी की नई प्रजाति खोजी गई

चर्चा में क्यों?

☞ शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा हाल ही में केरल के एर्नाकुलम में मौजूद इलिथोडु जंगलों में मकड़ी की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। कोच्चि के सेक्रेड हार्ट कॉलेज के जंतु वैज्ञानिकों द्वारा एर्नाकुलम के इलिथोडु जंगलों में पहली इन हैब्रोस्टेम मकड़ियों के एक समूह को देखा गया।

☞ टीम ने यह भी पाया कि इस प्रजाति से संबंधित मकड़ी हैब्रोस्टेम (प्रजातियों की श्रेणी का एक वर्गीकरण) विज्ञान के लिए एक नई प्रजाति है।

मुख्य तथ्य

✶ वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई मकड़ी की यह प्रजाति आम तौर पर यूरेशिया और अफ्रीका के जंगलों में पाई जाती है। यह मकड़ियाँ 'हैब्रोसेस्टेम जीनस' से जुड़ी एक नई प्रजाति है।

✶ अध्ययन में पाया गया कि यूरोपीय हैब्रोस्टेम मकड़ियों की तुलना में इलिथोडु में पाई गई मकड़ियाँ पूरी तरह से एक नई प्रजाति है क्योंकि उनके पास अलग-अलग प्रजनन अंग हैं।

✶ एक ही स्थान पर खोजकर्ताओं को भिन्न प्रकार की मकड़ियां देखने को मिलीं. इनमें छह सफेद तथा ऑफ-व्हाइट धब्बों वाली मकड़ी थीं जो लाल-भूरे और काले रंग की हैं।

✶ वैज्ञानिकों ने पाया कि इन मकड़ियों के अगले दोनों पैरों के नीचे एक लंबी रीढ़ होती है। इसलिये इसका वैज्ञानिक नाम 'हैब्रोसेस्टेम लॉन्गिस्पिनम' (Habrocestum longispinum) रखा गया है।

✶ इस रीढ़ की लम्बाई लगभग 2 मिलीमीटर होती है। इन्हें अधिकतर शुष्क, वनीय एवं छायादार जगहों पर रहना पसंद होता है।

✶ इस शोध को हाल ही में जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में प्रकाशित किया गया था।

स्रोतः द हिंदू

ELITE IAS

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

अन्य खबरें

कुमार संगकारा मेरीलिबोन क्रिकेट क्लब के पहले नॉन-ब्रिटिश अध्यक्ष बने

★ श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को हाल ही में मेरीलिबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) का पहला गैर-ब्रिटिश अध्यक्ष घोषित किया गया है। उन्हें अगले एक वर्ष तक के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है। पिछले 233 वर्षों के इतिहास में पहली बार है जब कोई गैर-ब्रिटिश इस पद पर नियुक्त हुआ है।

★ इससे पूर्व कुमार संगकारा को एमसीसी का आजीवन मानद सदस्य बनाया जा चुका है। परिषद का मानना है कि उन्होंने पिछले सात सालों में विश्व क्रिकेट में विशेष प्रभाव डाला है। इससे पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर टेड डेक्सटर, डेरेक अंडरवुड, माइक ब्रियरली, कॉलिन कॉड्रे, माइक गैटिंग और गबी एलन एमसीसी के अध्यक्ष की भूमिका निभा चुके हैं।

थाईलैंड के नए सम्राट बने महा वजिरालॉन्गकोर्न

★ हाल ही में थाईलैंड के राजा सम्राट महा वजिरालॉन्गकोर्न बने. उन्हें राम दशम की उपाधि दी गयी है। इसी के साथ अब वजिरालॉन्गकोर्न देश के आधिकारिक राजा घोषित हो गए हैं।

★ सम्राट वजिरालॉन्गकोर्न चक्री राजवंश के दसवें शासक हैं, यह राजवंश 1782 से शासन कर रहा है।

राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड हेतु बजरंग पुनिया के नाम की सिफारिश

★ भारतीय रेसलिंग फेडरेशन (डब्यूत्न एफआई) ने राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड के लिए भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट के नाम की सिफारिश की है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने हिना सिद्धू और अंकुर मित्तल को खेल रत्न देने की सिफारिश की है।

इंडोनेशिया ने रामायण पर विशेष डाक टिकट जारी किया

★ इंडोनेशिया ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 23 अप्रैल 2019 को रामायण की थीम पर विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया। इन 70 सालों के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच मजबूत रणनीतिक रिश्ते रहे हैं।

★ इंडोनेशिया में स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान के अनुसार इस स्टांप का डिजाइन इंडोनेशिया के जाने-माने मूर्तिकार बपक न्योमन नुआर्ता ने तैयार किया है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

जयदीप सरकार दक्षिण अफ्रीका में भारत के नये उच्चायुक्त नियुक्त

★ जयदीप सरकार को भारत सरकार की ओर से दक्षिण अफ्रीका में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार वे जल्द ही अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। जयदीप सरकार 1987 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं।

★ वर्तमान में जयदीप सरकार भूटान में भारत के राजदूत नियुक्त हैं। जयदीप वर्ष 1992-96 के बीच वित्त मंत्रालय में काम कर चुके हैं। वहां वह यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के साथ आर्थिक संबंधों के मामले को देख रहे थे।

भारतीय महिला वैज्ञानिक गगनदीप रॉयल सोसायटी में शामिल

★ भारतीय मूल की वैज्ञानिक गगनदीप कंग रॉयल सोसायटी में शामिल होने वाली पहली महिला बन गई हैं। वह प्रतिष्ठित फेलो रॉयल सोसायटी (FRS) में 358 वर्षों के इतिहास में चयनित होने वाली पहली भारतीय महिला वैज्ञानिक हैं।

★ हरियाणा के फरीदाबाद की गगनदीप कंग ने अपनी मेहनत से इस सूची में अपना स्थान बनाया है। उधर प्रख्यात वैज्ञानिक एवं कारोबारी यूसुफ हमीद इस साल के ब्रिटेन के प्रतिष्ठित 'रॉयल सोसायटी' से सम्मानित हस्तियों में शुमार हैं। 'रॉयल सोसायटी 2019' की सूची में शामिल भारतीय मूल के विशेषज्ञों में हमीद का नाम भी शामिल है।

टाइम मैगजीन ने 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की

★ टाइम मैगजीन ने साल 2019 के शीर्ष 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की. टाइम मैगजीन ने दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में तीन भारतीयों को शुमार किया है। इनमें रिलायंस इडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, भारत में एलजीबीटीयू (लेस्बियन, गे, बाईसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर) समुदाय के हक के लिए लड़ने वाली वकील अरुंधति काटजू और मेनका गुरुस्वामी शामिल है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

ICC वर्ल्ड कप 2019: बीसीसीआई ने भारतीय टीम की घोषणा की

★ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 15 अप्रैल 2019 को आईसीसी वर्ल्ड कप 2019 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर दी. इस टीम को काफी चर्चा व बहस के बाद चुना गया है।

★ विराट की कप्तानी में इस बार टीम इंडिया विश्व कप जीतकर इतिहास रचना चाहेगी। टीम इंडिया अपना पहला मैच 5 जून को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी। एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई की राष्ट्रीय चयन समिति ने सदस्यीय का ऐलान किया।

दुनिया के सबसे बड़े विमान ने पहली बार उड़ान भरी

★ दुनिया के सबसे बड़े विमान ने 13 अप्रैल 2019 को कैलिफोर्निया में परीक्षण के लिए पहली बार उड़ान भरी. इसका परीक्षण करीब ढाई घंटे तक मोजावे रेगिस्तान के ऊपर किया गया। इस विमान का निर्माण अंतरिक्ष में रॉकेट ले जाने और उसे वहां छोड़ने के लिए किया गया है।

★ स्ट्रैटोलॉन्च नामक दुनिया के सबसे विशाल विमान ने पहली बार उड़ान भरी और इस तरह से यह अंतरिक्ष में रॉकेट ले जाने वाला पहला विशाल विमान बन गया। इस विमान को स्ट्रेटोलॉन्च नामक कंपनी ने बनाया है। इस कंपनी को दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक पॉल एलन ने साल 2011 में बनाया था।

प्रधानमंत्री मोदी को मिला रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

★ संयुक्त अरब अमीरात के बाद रूस ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' देने का फैसला लिया है। यह जानकारी नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास ने 12 अप्रैल 2019 को दी।

★ रूस के दूतावास की तरफ जारी बयान में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री को भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व तौर पर आगे बढ़ाने के लिए रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार (ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल) से सम्मानित किया जाएगा।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

फीफा परिषद के सदस्य चुने जाने वाले पहले भारतीय बने प्रफुल्ल पटेल

✶ अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल फीफा (फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था) परिषद के सदस्य चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गए है। इस परिषद में चुने जाने वाले पहले भारतीय बने पटेल के पक्ष में 46 में से 38 मत पड़े।

✶ एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की ओर से पांच सदस्यों को फीफा परिषद के लिए चुना गया है जिसमें एएफसी के अध्यक्ष और एक महिला सदस्य भी शामिल हैं। कुआलालंपुर में 05 अप्रैल 2019 को एएफसी के 29वीं कांग्रेस के दौरान यह चुनाव हुये। सदस्यों का चयन साल 2019 से साल 2023 तक के चार साल के कार्यकाल के लिए हुआ है।

विश्व बैंक के अध्यक्ष बने डेविड माल्पास

✶ अमेरिकी सरकार ने 05 अप्रैल 2019 को अमेरिकी वित्त विभाग के डेविड माल्पास को विश्व बैंक के 13वें अध्यक्ष के तौर पर चुना है। विश्व बैंक के कार्यकारी बोर्ड ने आम सहमति से डेविड माल्पास को विश्वबैंक के अध्यक्ष के रूप में चयन किया।

✶ डेविड माल्पास फिलहाल वित्त विभाग में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप मंत्री है। उनका कार्यकाल 09 अप्रैल 2019 से पांच साल के लिये होगा। गौरतलब है कि सभी 13 अध्यक्ष अमेरिकी हैं। विश्वबैंक का अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी) तथा अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए) के निदेशक मंडल के अध्यक्ष होते हैं।

आईसीसी ने 80 देशों की टीमों की ट्वेंटी-20 रैंकिंग जारी की

✶ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ट्वेंटी-20 मैच खेलने वाली टीमों की रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में भारत पांचवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान की टीम पहले स्थान पर है।

✶ भारतीय टीम तीन पायदान खिसककर अंतरराष्ट्रीय टी 20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसक गई। पाकिस्तान के 286 अंक है जबकि दक्षिण अफ्रीका 262 अंकों के साथ दूसरे, इंग्लैंड 261 अंकों के साथ तीसरे, ऑस्ट्रेलिया 261 अंकों के साथ चौथे और भारत 206 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

इसरो के पूर्व अध्यक्ष किरण कुमार को मिला फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

★ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व चेयरमैन ए एस किरण कुमार को फ्रांस ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'शेवेलियर डी एल ऑर्डर नेशनल डी ला लीजेंड ऑनर' सम्मान से सम्मानित किया है। यह सम्मान फ्रांस के राष्ट्रपति की ओर से भारत में फ्रांस के राजदूत एलेग्जेंडर जीगलर ने 02 मई 2019 को दिया।

बजरंग पूनिया ने अली अलीयेव कुश्ती में जीता स्वर्ण पदक

★ विश्व के नंबर एक भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने 02 मई 2019 को रूस में खेले गए अली अलीयेव टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। बजरंग ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है।

★ बजरंग पूनिया ने स्थानीय खिलाड़ी विक्टर रासाडिन को 13-8 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। दो हफ्ते में बजरंग पूनिया का यह दूसरा मेडल है। उन्होंने पिछले हफ्ते चीन के शियान में आयोजित एशियाई रेसलिंग चैंपियनशिप में 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

एयर मार्शल राकेश सिंह भदौरिया ने वायु सेना उप-प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

★ एयर मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया पीवीएसएम एवीएसएम वीएम एडीसी ने 01 मई 2019 को वायु सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने एयर मार्शल अनिल खोसला का स्थान लिया है। एयर मार्शल भदौरिया राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्हें 15 जून 1980 को भारतीय वायुसेना के लड़ाकू दस्ते में शामिल किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

★ विश्व भर में 01 मई 2019 को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। भारत ही नहीं विश्व के लगभग 80 देशों में इस दिन राष्ट्रीय छुट्टी होती है। इसे 'मई दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय श्रम संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

★ यह दिवस संगठित अथवा असंगठित क्षेत्रों के कामगारों और मजदूरों द्वारा मनाया जाता है। मजदूर वर्ग इस दिन पर बड़ी बड़ी रैलीयों का आयोजन करते हैं। मजदूर दिवस पर टीवी, अखबार, और रेडियो जैसे प्रसार माध्यम द्वारा मजदूर जागृति प्रोग्राम प्रसारित किये जाते हैं तथा बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ इस दिवस पर मजदूर वर्ग कल्याण के लिये कई महत्वपूर्ण घोषणायेँ भी करते हैं।

विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को विश्वभर में मनाया गया

★ विश्व मलेरिया दिवस पूरे विश्व में 25 अप्रैल 2019 को मनाया गया। इस दिवस को 'मलेरिया' जैसी गम्भीर बीमारी की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए मनाया जाता है।

★ इस दिवस का मुख्य उद्देश्य मलेरिया से लोगों को जागरूक और उनकी जान की रक्षा करना है। यह दिवस मलेरिया निवारण और नियंत्रण के लिए सतत निवेश और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता रेखांकित करने के लिए मनाया गया।

पूर्व सेना प्रमुख दलबीर सिंह सुहाग सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

★ पूर्व सेना प्रमुख जनरल दलबीर सिंह सुहाग को हिंद महासागरीय देश सेशल्स का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। सेशेल्स हिंद महासागर में भारत के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण देश है।

सलीम खान दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

★ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने 24 अप्रैल 2019 को बॉलीवुड के मशहूर लेखक सलीम खान को 77वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मुनित किया।

संतोष ट्रॉफी-2019: सर्विसेस ने छठी बार जीता राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब

★ सर्विसेस ने दूसरे हाफ में बिकास थापा के शानदार गोल से मेजबान पंजाब को 21 अप्रैल 2019 को 1-0 से हराकर छठी बार संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता जीत ली. सर्विसेज ने सेमीफाइनल में कर्नाटक को 4-3 से पराजित किया, जबकि पंजाब ने सेमीफाइनल में गोवा को 2-1 से पराजित किया।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

पुलित्जर पुरस्कार 2019: न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल को मिला पुरस्कार

✶ 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार से संबंधित जानकारियां सामने लाने के लिए 'पुलित्जर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है. 'न्यूयॉर्क टाइम्स' को ट्रंप परिवार के वित्त संबंधी मामलों में खुलासे के लिए पुरस्कार मिला है, जिसमें उसने ट्रंप परिवार के खुद साम्राज्य खड़ा करने के दावों को खारिज किया था और एक ऐसे व्यापार साम्राज्य का खुलासा किया जो कर संबंधी गड़बड़ी कर रहा है।

ESPN India Sports Awards-2018: पीवी सिंधु और नीरज चोपड़ा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये

✶ भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हाल ही में ईएसपीएन इंडिया मल्टी-स्पोर्ट्स अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके अतिरिक्त भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को भी वर्ष 2018 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी चुना गया।

✶ ईएसपीएन इंडिया मल्टी-स्पोर्ट्स अवॉर्ड में 2018 के लिए साल का सर्वश्रेष्ठ महिला और पुरुष खिलाड़ी चुना गया है। सिंधु को इस पुरस्कार के लिए चीन में खेले गए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स टूर्नमेंट में शानदार प्रदर्शन कर चौंपियन बनने पर चुना गया। दूसरी ओर, नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने के अलावा पिछले साल 88.06 मीटर भाला फेंक नैशनल रेकॉर्ड भी कायम किया था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस: 7 अप्रैल

✶ विश्व स्वास्थ्य दिवस सम्पूर्ण विश्व में 07 अप्रैल 2019 को मनाया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्व भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण हेतु प्रेरित करना है।

✶ विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताजा रिपोर्ट में कहा गया कि विश्व भर में 30 करोड़ से अधिक लोग अवसाद के शिकार हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार चीन और भारत अवसाद से बुरी तरह प्रभावित देशों में शीर्ष पर हैं। भारत में मनोरोगियों की तादाद 5.7 करोड़ है।

Call: 8899999931/34,7065202020, Email: info@eliteias.in, Visit: www.eliteias.in
A-1, Chandra House, Top Floor, Opp. ICICI Bank, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

जुजाना कैपुतोवा स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं

- समाजसेवी पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उम्मीदवार जुजाना कैपुतोवा स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति बन गई हैं। कैपुतोवा ने राजनयिक मारोस सेफकोविक को दूसरे चरण की वोटों की गिनती में हरा दिया।
- कैपुतोवा को यूरोपियन कमीशन के उपाध्यक्ष सेफ्कोविक के 42 फीसदी पर 58 फीसदी वोटों से जीत हासिल हुई। पहले चरण के मतदान में कैपुतोवा को 40 फीसदी वोट मिले थे जबकि सेफ्कोविक को 19 प्रतिशत से भी कम वोट मिले थे। वे उदारवादी प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी की सदस्य हैं। उनकी जीत से पूर्व पार्टी की संसद में कोई सीट नहीं थी। वे 15 जून 2019 को पद की शपथ ग्रहण करेंगी।

ELITE IAS